दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी

सम्पादक: अमृतपाल सिंह

DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994 वर्ष 31 अंक 157 नई दिल्ली सोमवार 8 जून, 2026 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठ: 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

दो जिंदा कारतूस मिले

बोधगया, 7 जून (निस) गयाजी हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच में एक आरपीएफ जवान के बैग से दो जिंदा कारतूस मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। जवान को हिरासत में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया गया है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। जिसकी पहचान मोहनपुर थाना क्षेत्र निवासी संतोष कुमार के रुप में की गयी है।

हादसे में दो की मौत

गाजीपुर 7 जून (निस) उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के सैदपुर कोतवाली क्षेत्र में रविवार को बस की टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि शरीफपुर गांव के पास बने रेलवे अंडरपास में बस ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी।

पंजाब, हरियाणा में आठ से 12 जून तक भीषण गर्मी की चेतावनी

केरलम सहित कई जगह मानसून की दस्तक, दिल्ली सहित अनेक राज्यों में हीटवेव की चेतावनी

नई दिल्ली, 7 जून (निस) दक्षिण-पश्चिम मानसून देश के दक्षिणी और पूर्वोत्तर हिस्सों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बड़े हिस्से अगले कई दिनों तक भीषण गर्मी और लू की चपेट में रहेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में 11-12 जून के दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसके बावजूद मौसम विभाग ने 8 से 11 जून के बीच दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के कई इलाकों में लू चलने की चेतावनी जारी की है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 10 से 12 जून के

दौरान छिटपुट बारिश की संभावना है, जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 11-12 जून को कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। 9 से 10 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और 9 से 11 जून तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लू चलने की आशंका है। राजस्थान में मौसम सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है। पश्चिमी राजस्थान में 7 जून के दौरान तेज धूलभरी आंधी चल सकती है, जहां हवा की गति 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा और झोंकों में 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इसके बाद 8 से 12 जून तक पश्चिमी राजस्थान में भीषण लू चलने की संभावना है। वहीं पूर्वी राजस्थान में 6 से 12 जून के दौरान छिटपुट बारिश और 7 से 12 जून तक 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।वहीं, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 7 से 12 जून तक रुक-रुक कर बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश में 6-8 जून और 11-12 जून के दौरान व उत्तराखंड में 6 से 12 जून तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ क्षेत्र में 12 जून तक बारिश और गरज-चमक की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 10 जून तक, जबकि विदर्भ में अगले तीन दिन आंधी-तूफान के साथ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग ने बताया कि अगले 2 से 3 दिनों में मानसून के महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर भारत के और अधिक क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

द्रमुक एवं आप आज होने वाली इंडिया ब्लॉक की बैठक में नहीं आएंगे, जेएमएम भी नाराज

बैठक आज, कांग्रेस की कार्यशैली को लेकर कई दलों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 7 जून (संजय बंसल) इंडिया ब्लॉक की सोमवार को होने वाली बैठक से पहले मतभेद सामने आ गए हैं। डीएमके द्वारा कांग्रेस की मौजूदगी के कारण इस बैठक से दूर रहने की घोषणा के बाद अब सीपीआई-एम ने भी कांग्रेस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है। सीपीआई-एम ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केरल में उसके नेताओं द्वारा लगाए गए बीजेपी के साथ 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ हैं। सूत्रों का कहना है कि झारखंड राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा उम्मीदवार उतारे जाने से बाद से हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा भी नाखुश है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक

सीपीआई-एम महासचिव एम ए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही इस पत्र की कई कॉपियां गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों को भी भेजी हैं। बेबी ने पत्र में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा चुनाव अभियान में कांग्रेस ने बार-बार ये प्रचार किया कि सीपीआई-एम और बीजेपी के बीच राजनीतिक समझौता है और तत्कालीन सीएम पिनराई विजयन और पीएम मोदी के बीच खास डील हुई है। सीपीआई-एम ने इसे विपक्षी गठबंधन की भावना के खिलाफ बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माकपा नेता ने इन आरोपों को पूरी तरह से मनगढ़ंत करार दिया है जिसे वो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते! उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को याद दिलाया कि केरल की धरती पर आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ सीधे राजनीतिक लड़ाई लड़ते हुए माकपा ने अपने सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं को खोया है। बेबी ने अपने पत्र में कहा कि इंडिया ब्लॉक बीजेपी के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के लिए बना था और ऐसे वक्त में सहयोगी **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

घरेलू गैस सिलेंडर भी 29 रुपए हुआ महंगा

नई दिल्ली, 7 जून (निस) घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बाद केंद्र सरकार ने इसके पीछे की वजह स्पष्ट करते हुए कहा है कि मौजूदा समय में 14.2 किलोग्राम के एक घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति लागत 1,600 रुपये से अधिक पहुंच चुकी है। इसके मुकाबले उपभोक्ताओं से वसूली जाने वाली कीमत काफी कम होने के कारण तेल विपणन कंपनियों को प्रति सिलेंडर लगभग 700 रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमतों में तेज वृद्धि इस स्थिति का प्रमुख कारण है। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में उत्पन्न भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति संबंधी बाधाओं के चलते सऊदी अरामको की एलपीजी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (सीपी) में फरवरी से अब तक करीब 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में प्रोपेन और ब्यूटेन के मिश्रण की कीमत 542.50 अमेरिकी डॉलर प्रति टन थी, जो अप्रैल में बढ़कर 775 डॉलर प्रति टन और जून में 790 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गई। इसी अवधि में प्रोपेन की कीमतों में 39 प्रतिशत तथा ब्यूटेन में 52 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। इसका सीधा असर भारत में आयातित एलपीजी की लागत पर पड़ा है। तभी कीमतें बढ़ाने का फैसला किया

भाजपा कभी खोखले एवं झूठे वायदे नहीं करती पंजाब की तस्वीर बदलकर रख देंगे-सीएम सैनी

चंडीगढ़, 7 जून(अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पंजाब के धूरी में आयोजित विशाल जनसभा में राज्य में राजनीतिक परिवर्तन का आह्वान करते हुए कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री को चुटकुलों के अलावा कुछ और नहीं आता। चुटकुलों से सिनेमा हॉल तो चल सकते हैं लेकिन सरकार नहीं चल सकती। यही कारण है कि पंजाब की जनता अब सरकार के झूठे वादों और खोखले आश्वासनों की राजनीति से ऊब चुकी है और विकास, सुशासन तथा पारदर्शी प्रशासन की नई राह चुनने के लिए तैयार है। जनसभा में उमड़े भारी

जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि धूरी की जनता का उत्साह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश में बदलाव की मजबूत लहर चल रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता अपने आप को क्रांतिकारी बताते हैं लेकिन वास्तव में ये भ्रांतिकारी हैं जो अपनी कमियों को छिपाने के लिए दूसरों के कामों व उपलब्धियों के संबंध में जनता को भ्रमित करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि धूरी मुख्यमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र है लेकिन मुख्यमंत्री तो पंजाब ही नहीं बल्कि धूरी से भी दूरी बना चुके हैं। पंजाब कभी विकास के मामले में अन्य राज्यों से काफी आगे होता था जिसे यहां की राजनीतिक पार्टियों ने अपने निजी स्वार्थ के चलते पिछड़े राज्यों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। आज पंजाब में नशे के विरुद्ध युद्ध केवल अखबारों में विज्ञापन देकर ही लड़ा जा रहा है, धरातल पर कुछ काम नहीं हो रहा है।श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब का किसान देश का अन्नदाता है। इस अन्नदाता ने 2022 में 'आप' पार्टी पर भरोसा करके उसे वोट दिया लेकिन पंजाब में न तो किसानों की सभी फसलों को एमएसपी का लाभ मिला और न ही खराबे का उचित मुआवजा दिया जाता है। यह किसानों के साथ किया गया सबसे बड़ा विश्वासघात **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग की बैठक में रक्षा, व्यापार, रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा

नई दिल्ली, 7 जून (निस) भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने के उद्देश्य से रविवार को नई दिल्ली में भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग (जॉइंट कमीशन) की 8वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों देशों के बीच राजनीतिक, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो ने की। इस दौरान इंडोनेशियाई विदेश मंत्री ने भारत की मेहमाननवाजी की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यहां हमेशा विशेष सम्मान और अपनापन महसूस होता है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मैं कुछ सप्ताह पहले भी नई दिल्ली आया था और आगे भी भारत आने का कोई न कोई बहाना ढूंढता रहूंगा। उनके इस बयान ने बैठक के दौरान सौहार्दपूर्ण माहौल को और मजबूत किया।बैठक के उद्घाटन सत्र में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि चार वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित हो रही यह संयुक्त आयोग बैठक दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा देने का अवसर है। उन्होंने **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

देश में सिस्टम चलाने वाले युवा वर्ग की आकांक्षाओं को दरकिनार कर रहे-वांगचुक

नई दिल्ली, 7 जून (संजय बंसल) कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को तब और बल मिला जब सोनम वांगचुक ने मंच पर पहुंचकर छात्रों के आंदोलन का समर्थन किया। वांगचुक ने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से विरोध-प्रदर्शन पसंद नहीं है, लेकिन जब न्याय की मांगों को अनसुना किया जाता है तो लोगों को आवाज उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी बदलाव की जरुरत है और छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। वांगचुक ने कहा कि बार-बार पेपर

लीक हो रहे हैं। ऐसे में जवाबदेही तो तय करनी पड़ेगी।इसी बीच कवांगचुक ने एक सुझाव देते हुए कहा कि नेताओं, मंत्रियों और नौकरशाहों के बच्चों को सरकारी स्कूलों और सरकारी शिक्षण संस्थानों में पढ़ना चाहिए। उनका कहना था कि जो लोग व्यवस्था चला रहे हैं, उन्हें उसी व्यवस्था का अनुभव भी करना चाहिए। मंच के सामने मौजूद छात्रों ने कई बार उन्हें शिक्षा मंत्री बनने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने किसी भी राजनीतिक भूमिका में आने की संभावना को खारिज कर दिया।

इससे पहले सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन की मांगों पर ध्यान देने के बजाय सोशल मीडिया गतिविधियों को निशाना बनाया जा रहा है। लेकिन वे पीछे नहीं हटने वाले।

अब खान सर की कोचिंग में मिली कई खामियां, फायर सर्विस ने दी चेतावनी

पटना, 7 जून (निस) बिहार के खान सर की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। एक तरफ फायरिंग से जुड़े मामले में उनपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है, अब दूसरी तरफ उनके केजीएफ कोचिंग सेंटर में कुछ कमियां पाई गई हैं। इनको लेकर बिहार अग्निशमन सेवा की तरफ से साफ चेतावनी दी गई है, कि नियमों का अनुपालन नहीं हुआ तो कोचिंग सील कर दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक फैजल खान (खान सर) के कोचिंग सेंटर में फायर सेफ्टी का अनुपालन नहीं होने का मामला सामने आया था। बिहार अग्निशमन सेवा के डीआईजी ने इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि कोचिंग सेंटर में फायर सेफ्टी को लेकर कमियां पाई गई हैं और इनको दूर करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारी ने कहा कि अगर कमियों को दूर नहीं किया गया तो कोचिंग सेंटर को सील करने समेत अन्य कार्रवाई की जाएगी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोचिंग सेंटर का फायर सेफ्टी सर्वे क्यों हुआ, ये फिलहाल सामने नहीं आया है।

नेपाल के विदेश मंत्री ने जयशंकर एवं डोभाल से मुलाकात में कालापानी-लिपुलेख का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली, 7 जून (निस) भारत दौरे पर आए नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने एक बार फिर कालापानी और लिपुलेख क्षेत्र को लेकर नेपाल का दावा दोहराते हुए इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठाया है। नेपाली विदेश मंत्री के इस बयान ने दोनों देशों के बीच लंबे समय से

चले आ रहे सीमा विवाद को फिर चर्चा में ला दिया है। यह बयान ऐसे समय आया है जब उन्होंने नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की है। कैलाश मानसरोवर यात्रा से जुड़े एक प्रश्न के जवाब में खनाल ने कहा कि यात्रा कई अलग-अलग सीमा मार्गों से संचालित होती है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु नेपाल के रास्ते भी यात्रा करते हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल की मुख्य चिंता कालापानी और लिपुलेख क्षेत्र को लेकर भारत और चीन के बीच हुए समझौतों से जुड़ी है। उनके अनुसार नेपाल लगातार यह कहता रहा है कि यह क्षेत्र उसका हिस्सा है और नेपाल की सहमति के बिना किसी तीसरे पक्ष के साथ इस क्षेत्र से संबंधित समझौते नहीं किए जाने चाहिए। नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा कि उनके देश ने इस संबंध में कूटनीतिक माध्यमों और आधिकारिक नोट के जरिए अपना पक्ष भारत और चीन दोनों के समक्ष स्पष्ट रूप से रखा है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच संवाद और आपसी सम्मान के आधार पर किसी भी जटिल मुद्दे का समाधान निकाला जा सकता है। खनाल ने अपने बयान में भारत-नेपाल संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अतीत के विवादों से आगे बढ़कर साझा विकास, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उनके अनुसार नेपाल एक महत्वाकांक्षी और विकासोन्मुखी राष्ट्र के रूप में भारत के साथ मजबूत साझेदारी चाहता है। नेपाल में हाल के राजनीतिक परिवर्तनों और युवाओं की भूमिका पर चर्चा करते हुए खनाल ने कहा कि हालिया जनआंदोलनों ने देश की राजनीति को नई दिशा दी है। वहीं अग्निवीर योजना में नेपाली युवाओं की भर्ती के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि यदि भारत इस विषय पर औपचारिक चर्चा करना चाहे तो नेपाल बातचीत के लिए तैयार है। अपने संबोधन में खनाल ने भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति की सराहना भी की।

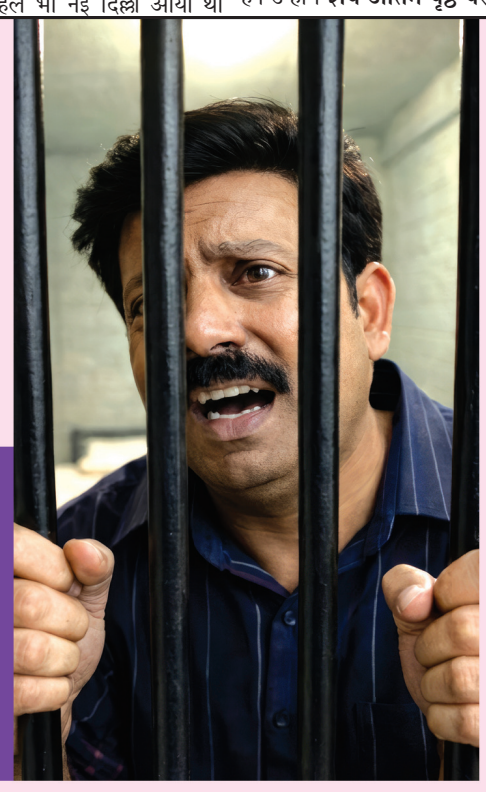

आपका बैंक खाता = आपकी पूंजी

- पैसे ट्रांसफर करने के लिए किसी दूसरे व्यक्ति को अपना बैंक खाता इस्तेमाल न करने दें।
- अगर कोई अन्य व्यक्ति आपके बैंक खाते के ज़रिए पैसा प्राप्त करता है या भेजता है तो आपको जेल हो सकती है।
- अपने बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी या पासवर्ड किसी को न बताएं।

आपके खाते की सुरक्षा, आपकी सुरक्षा।

अवैध कमाई के जाल में न फंसें।

अधिक जानकारी के लिए देखें https://rbikehtahal.rbi.org.in
अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए rbikehtahal@rbi.org.in पर भेजें।
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नं. 99990 41935 / 99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

सम्पादकीय

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया के चक्कर में फंसी अर्थ -व्यवस्था

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर आज देश में एक गंभीर बहस चल रही है। एक पक्ष का मानना है, कि 2004 से 2014 के बीच, विशेषकर 2011 तक, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। उस दौर में भारत की तुलना चीन, अमेरिका, रुस एवं अन्य यूरोपीय देशों के साथ वैश्विक मंचों पर होने लगी थी। सूचना प्रौद्योगिकी, सेवा क्षेत्र, विनिर्माण तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों के विस्तार ने देश को नई आर्थिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया था। 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान जब अमेरिका और यूरोप की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ संकट से जूझ रही थीं, तब भारत अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक स्थिति के साथ खड़ा दिखाई दिया। अनेक अर्थशास्त्रियों का मानना था, भारत के विशाल घरेलू बाजार, असंगठित क्षेत्र तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यही कारण था, उस समय भारत को वैश्विक आर्थिक क्षेत्र के केंद्र बिन्दू के रूप में देखा जाने लगा था। लेकिन 2011 के बाद भारत का राजनीतिक माहौल तेजी से बदला। भ्रष्टाचार के आरोप, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्टों तथा अन्ना हजारे के नेतृत्व में चले जनलोकपाल आंदोलन ने तत्कालीन सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया। सरकार की छवि पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा। इसमें विदेशी ताकतों का हाथ भी बताया जाता है। कारपोरेट जगत भी मनमोहन सरकार के खिलाफ खड़ा हो गया था। इस तरह से सारा विपक्ष कांग्रेस और मनमोहन के खिलाफ खड़ा हो गया था। अंततः 2014 में सत्ता परिवर्तन हुआ। आलोचकों का आरोप है कि उस समय देश की आडिट रिपोर्ट में लगाए गए कई आर्थिक नुकसान के अनुमान न्यायिक प्रक्रिया में प्रमाणित नहीं हो सके, काल्पनिक आरोपों से तब तक राजनीतिक माहौल पूरी तरह बदल चुका था। वर्तमान आर्थिक परिदृश्य को लेकर भी गंभीर प्रश्न उठाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि पिछले एक दशक में ऐसी नीतियाँ अपनाई गईं, जिनसे बड़े कॉर्पोरेट समूहों को लाभ मिला, जबकि लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा असंगठित क्षेत्र को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। नोटबंदी, जीएसटी के प्रारंभिक क्रियान्वयन और महामारी के प्रभाव ने छोटे व्यवसायों की कमर तोड़ दी। लाखों सूक्ष्म इकाइयाँ बंद हुईं। रोजगार के अवसर सिमटते चले गए। अर्थ- व्यवस्था में एक अन्य चिंता भारत के बढ़ते आयात और घटती विनिर्माण क्षमता को लेकर है। चीन से बड़े पैमाने पर उपभोक्ता वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक उत्पादों का आयात लगातार बढ़ा है। इसके विपरीत भारत की निर्यात वृद्धि अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पाई। इससे व्यापार घाटा बढ़ा है। जिससे आर्थिक आत्मनिर्भरता के दावों पर भी प्रश्नचिह्न लगा है। बढ़ती बेरोजगारी, महँगाई और घरेलू ऋण चिंता के विषय बने हुए हैं। किसानों को उनकी उपज का मूल्य नहीं मिल रहा है। किसान कर्जदार और खेती मंहगी होती जा रही है। आम नागरिक की क्रय-शक्ति घट गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्यान्न और आवश्यक सेवाएँ लगातार महँगी होती जा रही हैं। दूसरी ओर, शेयर बाजार में तेजी और कॉर्पोरेट मुनाफों के बावजूद आम जनता की आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। इससे आर्थिक विकास और सामाजिक वास्तविकताओं के बीच का अंतर बढ़ गया है। आम आदमी की आय में आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपया की स्थिति बनी हुई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक नीतियों का केंद्र केवल बड़े निवेश और कॉर्पोरेट लाभ न होकर रोजगार सृजन, लघु उद्योगों का संरक्षण, कृषि क्षेत्र की मजबूती तथा घरेलू मांग में विस्तार हो। भारत की वास्तविक शक्ति उसके करोड़ों छोटे उद्यमियों, किसानों, श्रमिकों और मध्यम वर्ग में निहित है। यदि आर्थिक विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुँचता, तो ऊँची विकास दर का सपना- सपना बनकर ही रह जायेगा। भारत के सामने चुनौती केवल विकास दर बढ़ाने की नहीं, बल्कि समावेशी और टिकाऊ विकास सुनिश्चित करने की है। आने वाले वर्षों में यही तय करेगा कि भारत वैश्विक दौड़ में आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ता है या फिर अवसरों को खोकर नई चुनौतियों में फंसकर रह जाता है। जिस तरह के हालात वर्तमान में देखने को मिल रहे हैं वह चिंता बढ़ाने वाले हैं। संवैधानिक संस्थाएं सरकार के दबाव में काम कर रही हैं। चुनाव आयोग और न्यायपालिका के फैसलों पर आरोपों की झड़ी लग रही है। डॉलर और युआन के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार घटती चली जा रही है। आयात और निर्यात का अंतर बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण भारत एक ऐसे संकट में फंस गया है, जिससे सभी की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस संकट से देश किस तरह से निकल पाएगा, इसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष की चिंताएं बढी हुई हैं। वर्तमान आर्थिक स्थिति ने भारत की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक चिंता को बढ़ा दिया है।

दिल्ली अग्निकांडः मुआवजे से नहीं जवाबदेही एवं सावधानी से बचेगी जिंदगी

- डॉ. सत्यवान सौरभ

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून 2026 को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में इक्कीस लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें—क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? और क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है? किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है—सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें, तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि

देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती, बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं, बल्कि रोकथाम का है। दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। लेकिन दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं। भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सब कुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं। मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है। दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है।नहीं: अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। जब तक नियमों के उल्लंघन पर त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कागजी प्रावधान वास्तविक सुरक्षा में नहीं बदल सकते। इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है—क्या आम नागरिक अग्नि सुरक्षा के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। घबराहट, अफवाह और गलत निर्णय अक्सर जान-माल के नुकसान को बढ़ा देते हैं।

शिक्षा का गिरता स्तर एवं व्यवसायीकरण की चुनौती

- कांतिलाल मांडोत

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति, संस्कृति और सभ्यता की आधारशिला होती है। यह केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण, नैतिक विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। किसी भी देश का भविष्य उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है क्योंकि आज के विद्यार्थी ही कल के नागरिक, वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासक और राष्ट्रनिर्माता बनते हैं। इसलिए शिक्षा का स्तर कभी गिरना नहीं चाहिए। जब शिक्षा अपनी मूल भावना से भटक जाती है, तब उसका प्रभाव केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र पर पड़ता है। दुर्भाग्य से वर्तमान समय में शिक्षा व्यवस्था अनेक चुनौतियों से घिरी हुई है। पेपर लीक जैसी घटनाएँ, बढ़ता व्यवसायीकरण, नैतिक मूल्यों का ह्रास तथा प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही हैं।

हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएँ लगातार सामने आई हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। कोई भी विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी में महीनों और वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है। वह अपने सपनों को पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर देता है। उसके माता-पिता भी अनेक त्याग और संघर्ष करके उसकी पढ़ाई का खर्च वहन करते हैं। लेकिन जब परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही लीक हो जाता है, तब लाखों विद्यार्थियों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। ऐसे मामलों में केवल परीक्षा ही रद्द नहीं होती, बल्कि विद्यार्थियों का मनोबल भी टूटता है। उनके मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास उत्पन्न होता है। वे यह सोचने लगते हैं कि क्या ईमानदार परिश्रम का कोई मूल्य नहीं रह गया है। इसलिए पेपर लीक जैसी घटनाएँ केवल प्रशासनिक विफलता नहीं हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र पर लगा एक कलंक हैं। शिक्षा का उद्देश्य सदैव ज्ञान, विवेक और संस्कार प्रदान करना रहा है।

प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों को केवल विषयगत ज्ञान ही नहीं दिया जाता था, बल्कि उन्हें सत्य, अहिंसा, अनुशासन, सेवा, करुणा और राष्ट्रभक्ति जैसे जीवन मूल्यों की शिक्षा भी दी जाती थी। गुरु अपने शिष्यों के व्यक्तित्व के समग्र विकास पर ध्यान देते थे। आज स्थिति बदल चुकी है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में अंकों, डिग्रियों और रोजगार की चर्चा अधिक होती है, जबकि चरित्र निर्माण और नैतिक शिक्षा पीछे छूटती जा रही है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य अच्छे नागरिक तैयार करना है, केवल नौकरी पाने वाले व्यक्तियों का निर्माण करना नहीं। वर्तमान समय में शिक्षा अपेक्षित स्तर की नहीं दिखाई देती। इसका एक प्रमुख कारण शिक्षा का बढ़ता व्यवसायीकरण है। आज शिक्षा सेवा से अधिक उद्योग बनती जा रही है। अनेक निजी शिक्षण संस्थानों का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के बजाय अधिक से अधिक लाभ कमाना बन गया है। विद्यालयों और कॉलेजों की ऊँची फीस सामान्य परिवारों के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। प्रवेश प्रक्रिया से लेकर कोचिंग और अन्य सुविधाओं तक हर क्षेत्र में आर्थिक लाभ की प्रवृत्ति दिखाई देती है। शिक्षा अब समाज सेवा का माध्यम कम और व्यापार का साधन अधिक बनती जा रही है। कोचिंग संस्कृति ने भी शिक्षा को प्रभावित किया है। विद्यार्थी विद्यालय की पढ़ाई से अधिक कोचिंग संस्थानों पर निर्भर होते जा रहे हैं। बड़े-बड़े विज्ञापनों और आकर्षक परिणामों के माध्यम से शिक्षा को एक उत्पाद की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। इससे शिक्षा का मूल स्वरूप प्रभावित हुआ है। विद्यार्थियों पर अत्यधिक प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ गया है। सफलता को केवल अंकों और रैंक से मापा जाने लगा है। परिणामस्वरूप विद्यार्थी मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। शिक्षा के व्यवसायीकरण का एक दुष्परिणाम यह भी है कि समाज में असमानता बढ़ रही है। आर्थिक रूप से सक्षम परिवार अपने बच्चों को महंगे विद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में भेज सकते हैं, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग के अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थी संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। शिक्षा का अधिकार सभी को समान अवसर प्रदान करने के लिए है, लेकिन जब शिक्षा अत्यधिक महंगी हो जाती है, तब यह समानता का सिद्धांत कमजोर पड़ने लगता है। आज आवश्यकता केवल पाठ्यक्रम पूरा करने की नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक और मानवीय मूल्यों का विकास करने की है। बचपन में प्राप्त संस्कार जीवनभर व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हैं। माता-पिता और शिक्षक दोनों ही विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश हो, तो विद्यार्थी केवल सफल पेशेवर ही नहीं बल्कि अच्छे इंसान भी बन सकते हैं। ईमानदारी, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, सहिष्णुता और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गुण शिक्षा के माध्यम से विकसित किए जाने चाहिए। शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होता है। जब शिक्षक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करते हैं, तब विद्यार्थी भी उनसे प्रेरणा ग्रहण करते हैं। इसी प्रकार अभिभावकों को भी बच्चों पर केवल अंक प्राप्त करने का दबाव डालने के बजाय उनके व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य जीवन को सार्थक बनाना है, केवल परीक्षा में सफलता प्राप्त करना नहीं।

सरकार और शिक्षा प्रशासन को भी शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाना चाहिए ताकि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूर्णतः रोक लग सके। नई शिक्षा नीति और विभिन्न सुधारात्मक प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब उनका उद्देश्य केवल तकनीकी और व्यावसायिक दक्षता बढ़ाना न होकर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना हो। शिक्षा को रोजगार से जोड़ना आवश्यक है, लेकिन उसे केवल रोजगार तक सीमित कर देना उचित नहीं है। शिक्षा का संबंध व्यक्ति के विचार, व्यवहार, चरित्र और सामाजिक चेतना से भी है।

मिलावट मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

- ललित गर्ग

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम ''खाद्य सुरक्षा- विज्ञान की सक्रिय भूमिका'' इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है।

भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और

गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है।

इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं।आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूक नागरिकों को संदिग्ध उत्पादों की शिकायत करनी चाहिए, प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए।

दिल्ली के लोधी कॉलोनी में दीवार गिरी 3 मजदूर मलबे में दबे 1 की मौत और 2 घायल

नई दिल्ली 7 जून (निस) दिल्ली के लोधी कॉलोनी इलाके में सीवेज पाइपलाइन के काम के दौरान एक बाउंड्री वॉल गिर गई। इस हादसे में तीन लोग मलबे में फंस गए, जिनमें से दो को जनता ने बचा लिया, जबकि की एक की मौत हो गई। दिल्ली के लोधी कॉलोनी इलाके में गुरुवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। लोधी होटल के पास सीवर पाइपलाइन के काम के दौरान एक बाउंड्री वॉल ढह गई, जिससे वहां काम कर रहे तीन मजदूर मलबे में दब गए। इनमें से एक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दर्दनाक घटना रात में करीब 1ः18 बजे की है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे का शिकार हुए तीनों मजदूरों की पहचान कर ली गई है। मृतक देवेंद्र (55 वर्ष) पुत्र अमीचंद के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया गया है, जबकि दोनों घायल मजदूरों राजेश (48) पुत्र भगवती और उमर (20 वर्ष) पुत्र मुन्ना का अस्पताल में इलाज चल रहा है। (डीएफएस) को गुरुवार रात करीब 1ः18 बजे लोधी होटल के पास दीवार गिरने की सूचना मिली, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। हादसे के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। एसटीओ मनोज ने बताया कि सीवेज पाइपलाइन के काम के दौरान एक बाउंड्री वॉल ढह गई, जिसमें 3 लोग मलबे में फंस गए। स्थानीय निवासियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए तुरंत मलबे को हटाना शुरू कर दो लोगों को बचाया और फायर ब्रिगेड के आने से पहले पीसीआर और कैट्स द्वारा एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। इनमें से एक को डीएफएस कर्मियों ने निकालकर एम्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया।

7 साल में 500 से अधिक मौतें जिम्मेदारों पर नहीं होती ठोस कार्रवाई

नई दिल्ली 7 जून (निस) लगातार आग की घटनाओं से राजधानी में असुरक्षा की भावना प्रबल होने लगी है। अधिक मुनाफा कमाने के लालच में रिहायशी ही नहीं बल्कि व्यावसायिक भवनों में भी नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। ऐसे लोगों में कानून का कोई डर भी नहीं होता है। इसकी वजह है कि आग के मामलों में जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। आग लगने के मामलों में पुलिस और निगम की कार्रवाई संपत्ति की सीलिंग तक ही सीमित रह जाती है। इसलिए ऐसे लोगों के मन में यह भर चुका है कि ज्यादा से ज्यादा क्या होगा...संपत्ति के साथ केस भी राख हो जाएगा। बड़ी से बड़ी आग की घटनाओं में यह प्रवृत्ति नजर आती है। फिर चाहे वह साल 2019 में करोलबाग के होटल में लगी आग हो या रानी झांसी रोड स्थित अनाज मंडी का अग्निकांड। या फिर 2022 में मुंडका के कमर्शियल बिल्डिंग की आग। इन मामलों की जांच और कोर्ट में चल रही कार्यवाही की प्रगति को देखें तो यही पता चलता है कि जिम्मेदारों पर कठोर छोड़ दें, कोई चेतावनी लायक कार्रवाई भी नहीं होती है। जबकि पिछले सात सालों में आग के कारण राजधानी में 500 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। सिर्फ साल 1997 का 59 लोगों की जान लेने वाला उपहार अग्निकांड ही ऐसा है, जिसमें 20 साल बाद सिनेमा हाल के दो मालिकों पर 30-30 करोड़ का जुर्माना गया और जेल की बिताई गई अवधि को ही सजा मान ली गई।

दिल्ली में टाटा कम्युनिकेशंस में लगी आग

नई दिल्ली 7 जून (निस) दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 स्थित टाटा कम्युनिकेशंस के कार्यालय में शुक्रवार तड़के आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग भवन की तीसरी मंजिल पर बने बैट्री रूम में लगी थी, जिससे करीब 200 वर्ग फुट क्षेत्र प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। समाचार लिखे जाने तक कूलिंग का कार्य जारी था। दमकल विभाग के अनुसार, आग लगने की सूचना रात 2ः47 बजे प्राप्त हुई। घटना नॉर्थ प्लेस फायर स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में ग्रेटर कैलाश-1 में सावित्री सिनेमा के सामने स्थित टाटा कम्युनिकेशंस कार्यालय में हुई। प्रारंभिक रूप से तीन वाटर टेंडर, दो वाटर बाउजर, एक क्यूआरवी, एक मोटर पंप और एक ब्रीदिंग सेट यूनिट को मौके पर भेजा गया। आग की गंभीरता को देखते हुए सुबह तीन बजे मेक-4 घोषित किया गया, जिसके बाद कुल 10 दमकल इकाइयों को राहत एवं बचाव कार्य में लगाया गया। बाद में 3ः25 बजे अतिरिक्त पानी की आवश्यकता को देखते हुए एक एडवांस वाटर टेंडर भी मौके पर भेजा गया।

सीयूईटी रिजल्ट में देरी से डीयू दाखिला प्रक्रिया पर संकट, शैक्षणिक कैलेंडर बिगड़ने की आशंका

नई दिल्ली, 7 जून (निस) देश की प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं को लेकर जारी विवादों और तकनीकी चुनौतियों का असर अब उच्च शिक्षा संस्थानों पर दिखाने लगा है। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया फिर विलंबित होने की आशंका है, क्योंकि विश्वविद्यालय कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-यूजी) के परिणाम घोषित होने का इंतजार कर रहा है। इस स्थिति ने शिक्षकों और शिक्षा विशेषज्ञों के बीच शैक्षणिक कैलेंडर के लगातार प्रभावित होने को लेकर चिंता बढ़ी है। दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, स्नातक प्रवेश प्रक्रिया सीयूईटी-यूजी के परिणाम आने के बाद ही शुरू होगी। डीयू की डीन ऑफ एडमिशन हनीत गांधी ने कहा कि विश्वविद्यालय अनावश्यक देरी से बचने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर रहा है, लेकिन प्रवेश प्रक्रिया की शुरुआत परीक्षा परिणामों पर निर्भर करेगा। इसके पहले संकेत दिए थे कि पंजीकरण प्रक्रिया मई के 3 सप्ताह में शुरू हो सकती है, लेकिन परिस्थितियां बदलने के कारण यह संभव नहीं हुआ।

स्मार्टफोन यूजर्स की कॉल ड्रॉप की शिकायतें बढ़ीं, सीएमआर सर्वे में हुई पुष्टि

नई दिल्ली 7 जून (निस) देश में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता को लेकर उपभोक्ताओं की परेशानी लगातार बढ़ रही है। सीएमआर के ताजा सर्वे में खुलासा हुआ है कि हाईवे पर यात्रा करने वाले 79 प्रतिशत स्मार्टफोन यूजर्स को कॉल ड्रॉप या नेटवर्क बाधित होने की समस्या का सामना करना पड़ता है। सर्वे के अनुसार खराब नेटवर्क का असर लोगों के कामकाज और मानसिक स्थिति दोनों पर पड़ रहा है। 64 प्रतिशत बिजनेस यूजर्स ने बताया कि कॉल ड्रॉप के कारण उनके महत्वपूर्ण सौदे प्रभावित हुए, जबकि 71 प्रतिशत लोगों को ग्राहकों को दोबारा फोन करना पड़ा। वहीं 83 प्रतिशत यूजर्स ने माना कि जरूरी कॉल के दौरान नेटवर्क टूटने से तनाव और बेचैनी बढ़ती है। रिपोर्ट में बेहतर नेटवर्क कवरेज और कॉलिंग गुणवत्ता सुधारने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

जमीन पर जबरिया कब्जे की कोशिशः पीड़िता ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती 7 जून (निस) परसरामपुर थाना क्षेत्र के दरूपुर निवासिनी मनीषा पत्नी चन्द्रिका प्रसाद ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर पड़ोसियों द्वारा उसकी जमीन पर जबरिया कब्जा करने के प्रयास को रोकने और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है। एसपी को दिये पत्र में मनीषा पत्नी चन्द्रिका प्रसाद ने कहा है कि घर के बगल मे खाली जमीन है जिस पर उसके पड़ोसी झुरई पुत्र घुरहू झिन्नन पुत्र घुरहू व गुड्डू पुत्र झिन्नन व उसके परिवार के अन्य लोग जबरदस्ती कब्जा करने की नियत से बकरी बांध देते है गोबर फेकते है मना करने पर आमादा फौजदारी होते है । मारपीट भी किया जिसमे थाने पर दोनो पक्षो के बीच सुलह समझौता भी हुआ था लेकिन विपक्षी उस सुलहनामा को नहीं मान रहे है तथा गाली गुप्ता देते हुए जान से मारने की धमकी देते है । जब वह इस घटना की सूचना देने थाने पर गयी तो थाने पर पुलिस कर्मियो द्वारा प्रार्थिनी के साथ दुर्व्यवहार किया गया मारा पीटा भी गया। ऐसी सूरत में सम्बंधित लोगो के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने के साथ ही उसके जमीन और परिवार की रक्षा कराया जाये।

दबंगो ने स्कूली छात्र नाती को मारा पीटा:

नगर थाना क्षेत्र के सीतारामपुर निवासी रामफेर ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर कक्षा 9 के छात्र अपने नाती दुर्गा प्रसाद के जान माल की रक्षा और गांव के ही दबंगों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कड़ी कार्रवाई की मांग किया है। एसपी को दिये पत्र में रामफेर ने कहा है कि गांव के ही शशिकान्त पुत्र राम प्रताप, शिवम पुत्र मनोज, सुनील उपाध्याय पुत्र लल्लन प्रसाद और उनके भान्जे विशाल पुत्र सुरेन्द्र चौबे निवासी चिलमा थाना दुबौलिया आदि ने रामफेर के नाती लगभग 16 वर्षीय दुर्गा प्रसाद को जरा सी कहा सुनी को लेकर गत 29 मई को खडौवा चौराहे पर बुरी तरह से उस समय मारा पीटा जब वह जूस पी रहा था। स्थानीय लोगों के बीच बचाव पर उसकी जान बची। दुर्गा प्रसाद ने दबंगों से अपनी जान बचाने की नीयत से 112 पर पुलिस को सूचना दिया। मौके से शशिकान्त आदि फरार हो गये। जब दुर्गा प्रसाद अपने घर आ रहा था तो रास्ते में शशिकान्त आदि ने उसे कट्टे से मारने के लिये दौड़ाया। उसे काफी चोटे आयी और एम्बुलेंस बुलाकर सी.एच.सी. मरवटिया पर रामफेर ने अपने नाती का इलाज कराया। नगर थानाध्यक्ष ने दोषियो के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जगह मोबाइल छीनकर नाती और बाबा को थाने के कमरे में बंद किया और कुछ लोगों की सिफारिश उन्हें रात्रि 8 बजे छोडा गया। रामफेर को आशंका है कि यदि दबंगों के विरूद्ध कार्रवाई न हुई तो उक्त लोग भविष्य में किसी अनहोनी घटना को अंजाम दे सकते हैं। रामफेर ने अपने नाती और परिवार के सुरक्षा की मांग करते हुये दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं- अपर आयुक्त श्री राव

ग्वालियर 7 जून (निस) रामकृष्ण मिशन आश्रम एवं गोल्डन इवेंट के संयुक्त तत्वावधान में 01 मई से 05 जून 2026 तक गोविंदपुरी स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम परिसर में आयोजित समर फेस्टिवल-2026 का भव्य समापन समारोह संपन्न हुआ। एक माह से अधिक समय तक चले इस शिविर में बच्चों एवं युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न खेल, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रातः 6ः00 बजे आयोजित मिनी मैराथन में बच्चों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मैराथन का शुभारंभ रामकृष्ण मिशन आश्रम मंदिर के मुख्य द्वार से हुआ तथा यह विवेकानंद चौराहा, परशुराम चौराहा एवं यूनिवर्सिटी रोड होते हुए रामकृष्ण मिशन स्कूल परिसर में संपन्न हुई। इस आयोजन का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अशोक सिंह जादौन (अध्यक्ष, ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण) उपस्थित रहे साथ ही विशिष्ट अतिथि आईएएस टी. प्रतीक राव (अपर आयुक्त नगर निगम ग्वालियर) दीपक सिंह भदौरिया (कमांडिंग ऑफिसर 3 रक्क नेवल यूनिट) पूज्य स्वामी कृष्णामृतानंद जी (सचिव रामकृष्ण मिशन आश्रम ग्वालियर)

आईएएस टी. प्रतीक राव ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों से पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने, अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

सभापति ने दिया हरित और स्वच्छता का संदेश-विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभापति मनोज तोमर ने क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ सहभोज कार्यक्रम में सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने सभी साथियों को एक-एक पौधा एवं स्वच्छता के प्रतीक स्वरूप डस्टबिन भेंट किया। श्री तोमर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पौधरोपण के साथ-साथ अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब समाज पौधरोपण और स्वच्छता दोनों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएगा, तभी स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वातावरण का निर्माण संभव होगा। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। सहभोज के माध्यम से आपसी संवाद और संगठनात्मक एकता को भी मजबूती मिली।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस पहल की क्षेत्रवासियों ने सराहना की और इसे पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम बताया।

दक्षिण विधानसभा में 8 जून को जल प्रदाय रहेगा प्रभावित

एमपीईबी के शटडाउन के कारण दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न टंकिया पूर्ण क्षमता से नहीं भर पाएंगी जिससे दिनांक 8 जून को जल प्रदाय प्रभावित रहेगा।

डीसी ने रामगड प्रखंड अंतर्गत नावाडीहह-1 एवं नावाडीह 2 आंगनबाड़ी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

पलामू 7 जून (निस) उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शनिवार को रामग? प्रखंड अंतर्गत नावाडीहह-1 एवं नावाडीह 2 आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य केंद्रों में संचालित पोषण, शिक्षा, स्वच्छता एवं आधारभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना था।इसी क्रम में उन्होंने पोषण ट्रैकर की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्टॉक रजिस्टर, उपस्थित बच्चों की संख्या, पोषण ट्रैकर में निबंधित लाभार्थियों से संबंधित जानकारी प्राप्त की।उन्होंने निर्देश दिया कि सभी अभिलेख समय पर अद्यतन एवं शुद्ध रूप से संधारित किए जाये।निरीक्षण के दौरान बच्चों के नाश्ते का समय रहने के कारण उपायुक्त श्री शेखावत ने स्वयं अपने हाथों से बच्चों को सूजी का हलवा परोसा तथा भोजन की गुणवत्ता, पोषण मानक एवं स्वच्छता की जांच की।इस दौरान उन्होंने बच्चों के बीच विभिन्न फल व टॉफी का भी वितरण किया।उपायुक्त ने बच्चों के लर्निंग आउटकम का आकलन करने हेतु उनसे गिनती, सरल गणित एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे। उन्होंने पाया कि बच्चों के बुनियादी शिक्षण स्तर में और सुधार की आवश्यकता है। इस पर उन्होंने आंगनबाड़ी सेविका एवं महिला पर्यवेक्षिका को निर्देश दिया कि बच्चों को रटने के बजाय समझ-आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पेयजल, शौचालय एवं स्वच्छता व्यवस्था का भी गहन निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल स्रोत की उपलब्धता एवं उसकी स्वच्छता, जल की नियमित आपूर्ति, बच्चों हेतु सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था की जांच की। साथ ही शौचालय की साफ-सफाई, उपयोग की स्थिति, जल उपलब्धता तथा बाल-अनुकूल व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिया कि केंद्र परिसर में साफ-सफाई, कचरा निपटान एवं हाइजीन पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि बच्चों को स्वस्थ वातावरण मिल सके।क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्थानीय मुखिया द्वारा निर्माणाधीन चेक डैम के संबंध में मौखिक शिकायत प्रस्तुत की गई, जिसमें निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर प्रश्न उठाया गया। उपायुक्त ने संबंधित विभाग को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वहां स्थापित सोलर जल मीनार का भी जायजा लिया तथा उसकी कार्यशीलता एवं जलापूर्ति की स्थिति की समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,सेविका लिली रोशनी दांग,मॉयलोन टोपनो,सहायिका अनास्तासीया हेंब्रम एवं फुलमनी तीरु समेत अन्य मौजूद रहे।

जन वितरण प्रणाली दुकान का निरीक्षण, पारदर्शी एवं समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश

पलामू 7 जून (निस) जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रमोद कुमार द्वारा जन वितरण प्रणाली विक्रेता बिरेन्द्र कुमार तिवारी, चियांकी के दुकान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकान में साफ-सफाई की स्थिति, कार्डधारियों को समय पर राशन उपलब्ध कराने, धोती-साड़ी-लुंगी वितरण, राशन वितरण उपरांत लाभुकों को रसीद उपलब्ध कराने, योजनावार खाद्यान्न के सुरक्षित एवं व्यवस्थित रख-रखाव सहित विभिन्न बिंदुओं की जांच की गयी।निरीक्षण के क्रम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी लाभुकों को निर्धारित मात्रा में समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए तथा वितरण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। उन्होंने कहा कि राशन वितरण के बाद प्रत्येक कार्डधारी को अनिवार्य रूप से रसीद उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, ताकि लाभुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।इसके अतिरिक्त दुकान में लाभुकों की सूची, स्टॉक एवं वितरण संबंधी सूचनाओं का स्पष्ट प्रदर्शन करने तथा योजनावार खाद्यान्न का समुचित रख-रखाव बनाए रखने का भी निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न अभिलेखों की भी जांच की गयी।

आधार एवं जन्म प्रमाण पत्र सुधार शिविर का पदाधिकारियों ने किया निरीक्षण

पलामू जिले के नीलांबर-पिताम्बरपुर प्रखंड अंतर्गत शनिवार को कोटखास एवं कुराइन पतरा पंचायत सचिवालय में आयोजित आधार एवं जन्म प्रमाण पत्र सुधार शिविर का जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान एवं डीपीओ यूआईडी उदय प्रताप सिंह ने निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शिविर में पहुंचकर आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटि सुधार कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को आमजनों को सरल एवं पारदर्शी तरीके से सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।पदाधिकारियों ने विशेष रूप से 05 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों, आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़े बच्चों एवं अन्य लाभुकों के आधार अद्यतन एवं जन्म प्रमाण पत्र सुधार कार्य को प्राथमिकता देने पर बल दिया। साथ ही शिविर में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो, इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि, कर्मी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

50 वर्षीय महिला को क्रायोप्रिजर्व्ड भ्रूण इस्तेमाल की अनुमति

नई दिल्ली 7 जून (निस) प्रजनन अधिकारों से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने 50 वर्ष की महिला को अपने क्रायोप्रिजर्व्ड भ्रूणों का उपयोग करने की अनुमति दी है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने जोर देकर कहा कि क्रायोप्रिजर्व्ड भ्रूण याचिकाकर्ताओं के प्रजनन स्वायत्तता, निर्णयात्मक गोपनीयता और संवैधानिक रूप से संरक्षित प्रजनन एवं पारिवारिक जीवन के अधिकार से गहराई से जुड़े हैं। पीठ ने कहा कि प्रजनन अधिकारों और मातृत्व की इच्छा को केवल तकनीकी और नियमों तक सीमित नहीं किया जा सकता। महिला और उनके पति द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि भ्रूण निकालने के समय महिला निर्धारित आयु सीमा के अंदर थी, ऐसे में उपचार प्रक्रिया को बीच में रोकना उचित नहीं है। पीठ ने कहा कि सहायता प्राप्त प्रजनन प्रौद्योगिकी (एआरटी) अधिनियम का उद्देश्य वैध रूप से शुरू किए गए उपचार को अपराजेय बाधाओं में नहीं बदलना है।

दिल्ली के इस इलाके में पानी का भीषण संकट

नई दिल्ली 7 जून (निस) दिल्ली गेट स्थित फिरोजशाह कोटला किला के पीछे विक्रम नगर की सड़क पर पीने का पानी बह रहा है, लेकिन कॉलोनी में मंगलवार से पानी की आपूर्ति ठप है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां पर नई पाइप लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत खोदाई का कार्य हो रहा है, उसमें पूर्व से स्थित पानी की लाइन टूट गई है, जिसके चलते दो दिन से पानी की आपूर्ति ठप है। वैसे, कर्मियों द्वारा उसे दुरुस्त करने का कार्य किया जा रहा है। लेकिन सफलता नहीं मिली है। स्थानीय निवासी मुन्नी लाल के अनुसार, पार्षद भी आई थी, उन्होंने जल्द पानी आपूर्ति के आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि दो दिन से पानी की आपूर्ति न होने में इस गर्मी में बुरा हाल है। उसमें भी टैंकर से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। स्थानीय निवासी मुन्नी लाल के अनुसार, पार्षद भी आई थी, उन्होंने जल्द पानी आपूर्ति के आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि दो दिन से पानी की आपूर्ति न होने में इस गर्मी में बुरा हाल है। उसमें भी टैंकर से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है।

जिस दिन प्रमोशन के लिए इंटरव्यू उसी दिन मर्डर

नई दिल्ली 7 जून (निस) दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक प्रतिष्ठित कॉलेज की एक प्रोफेसर गुरुवार दोपहर पूर्वी दिल्ली के वसुंधरा एन्क्लेव स्थित अपने फ्लैट में मृत पाई गईं। पुलिस को परिवार ने बताया कि 43 साल की इस महिला प्रोफेसर ने अपनी मौत से कुछ घंटे पहले अपनी मां को दवाइयां भेजी थीं। उसी कॉलेज में काम करने वाले एक सहकर्मी के अनुसार, गुरुवार को उनका प्रमोशन के लिए इंटरव्यू भी निर्धारित था लेकिन वह नहीं पहुंचीं। मामले की जांच से जुड़े जांचकर्ताओं के अनुसार, महिला प्रोफेसर अपने फ्लैट में अकेली रहती थी। उनके सिर पर गंभीर चोटें थीं, दोनों कलाइयां कटी हुई थीं और चेहरे और शरीर पर चोट के निशान थे। एक सहकर्मी ने कहा कि हमें बताया गया था कि प्रधानाचार्य के निजी सहायक ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन बुधवार शाम करीब 4 बजे से कॉलेज से कोई भी उनसे संपर्क नहीं कर पाया था। गुरुवार दोपहर हमें उनके निधन की खबर मिली। उन्होंने बताया कि प्रोफेसर बहुत ही शांत स्वभाव की थीं और सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त होने से पहले कॉलेज में अतिथि व्याख्याता के रूप में काम कर चुकी थीं।

होटल मालिक की दूसरी बिल्डिंग भी मौत का जाल भयानक लापरवाही आई सामने

नई दिल्ली 7 जून (निस) मालवीय नगर में 21 लोगों की जान लेने वाले फ्लोरिश स्टे होटल के मालिक की दूसरी बिल्डिंग में भी बड़ी लापरवाही दिखी है। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे बेड एंड ब्रेकफास्ट होटल में बुधवार को हुए भीषण अग्निकांड में कई विदेशी नागरिकों समेत 21 लोगों की मौत हो गई थी। इस भयावह घटना के बाद जब इसी होटल मालिक की एक अन्य संपत्ति (प्रॉपर्टी) का जायजा लिया गया, तो वहां भी अग्नि सुरक्षा को लेकर बेहद डराने वाली खामियां और भयानक लापरवाही सामने आई। होटल मालिक की इस दूसरी इमारत का तलघर किसी मौत के जाल से कम नहीं है। बेसमेंट तक पहुंचने के लिए केवल एक सीढ़ी है, जिसके किनारे लगभग पूरी तरह से लकड़ी के फिनिश वाले वॉल पैनल लगे हुए हैं। (लकड़ी आग को तेजी से भड़काती है)। यह सीढ़ी एक लंबे और बेहद संकरे गलियारे में खुलती है, जिसके दोनों ओर मेहमानों के रुकने के लिए छोटे-छोटे कमरे बनाए गए हैं। शुरू से आखिर तक यह पूरा गलियारा लकड़ी के पैनल से ढका हुआ है। कमरों तक पहुंचने और बाहर निकलने का यही एकमात्र संकरा रास्ता है। अंदर के हालात बेहद दमघोंटू हैं। हर कमरा सामान से इतना भरा हुआ है कि हिलने-डुलने तक की जगह नहीं है। छोटी सी जगह में डबल बेड, अलमारी, साइड कैबिनेट और कई उपकरण ठूंस कर रखे गए हैं। हालात इतने खराब हैं कि कई कमरों में खिड़कियां तक नहीं हैं और न ही हवा की आवाजाही का कोई रास्ता है। कमरों की छतें नीची हैं। ऐसे में अगर कभी आग लगती है, तो धुआं बाहर निकलने के बजाय अंदर ही भर जाएगा, जो पल भर में लोगों की जान ले सकता है।

अग्निकांड से सामने आई मेडिकल टूरिज्म की बड़ी खामी

नई दिल्ली 7 जून (निस) दक्षिण दिल्ली के हौज रानी क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड ने भारत विशेषकर एनसीआर की मेडिकल टूरिज्म से जुड़ी लंबे समय से अनदेखी पर बेहद गंभीर समस्या को सामने ला दिया है। देश-विदेश से इलाज के लिए एनसीआर पहुंचने वाले मरीजों के साथ आने वाले स्वजनों और तीमारदारों के लिए सुरक्षित एवं किफायती आवास तथा भोजन की कमी उन्हें अक्सर अनियमित और असुरक्षित ठिकानों का सहारा लेने के लिए मजबूर करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की घटनाएं एनसीआर की उस छवि को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिसके आधार पर यह क्षेत्र देश का सबसे बड़ा मेडिकल टूरिज्म केंद्र बनकर उभरा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में 6,44,387 लाख विदेशी मरीज चिकित्सा सेवाओं के लिए भारत आए थे। वर्ष 2025 के पहले चार महीनों में ही 1.31 लाख तथा पूरे वर्ष 7,07,244 विदेशी मरीज भारत पहुंचे। भारत का मेडिकल वैल्यू ट्रैवल बाजार वर्तमान में लगभग 8.7 अरब डालर यानी करीब 72 हजार करोड़ रुपये का माना जाता है और आने वाले वर्षों में इसके तेजी से बढ़ने का अनुमान है। इस पूरे उद्योग में एनसीआर की हिस्सेदारी सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है, जहां एम्स, सफदरजंग, आरएमएल जैसे बड़े सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ अनेक निजी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मरीजों का इलाज करते हैं। यह अलग है कि इतने बड़े उद्योग के लिए चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के समानांतर मरीजों के साथ आने वाले लोगों के लिए आधारभूत व्यवस्थाओं का विकास नहीं हो पाया है। न तो सरकारी और न ही निजी क्षेत्र में। सरकारी अस्पतालों के बाहर फुटपाथों, पार्कों, धर्मशालाओं और किराये के कमरों में रहने को मजबूर तीमारदारों का दृश्य आम है।

थाना प्रताप नगर पुलिस की टीम ने एक भगोड़े आरोपी को किया गिरफ्तार

यमुनानगर, 7 जून (दिनेश कुमार): पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला पुलिस द्वारा भगोड़े आरोपियों और बेल जंपर्स की

धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के दिशा-निर्देशों पर कार्य करते हुए थाना प्रताप नगर पुलिस की टीम ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने न्यायालय द्वारा भगोड़ा घोषित किए गए भगोड़े आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत आगे की कार्रवाई के लिए अदालत में पेश कर दिया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना प्रभारी रोहतास के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने संयुक्त प्रयास से एक भगोड़े आरोपी जसबीर सिंह पुत्र चूहड़ सिंह निवासी कोहली वाला को गुप्त सूचना के आधार पर सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। आरोपी एक आपराधिक मामले में संलिप्त था और न्यायालय में पेश न होने के कारण उन्हें माननीय अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। आरोपी जसबीर पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था, लेकिन टीम की सतर्कता और प्रयासों के चलते उन्हें दबोच लिया गया। पुलिस अधीक्षक ने टीम के इस कार्य की सराहना की है और कहा है कि जिले में अपराधियों के खिलाफ यह अभियान भविष्य में भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा, जिससे कानून व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

डी.ए.वी. स्कूल नरवाना के पूर्व छात्र नकील बने फ्लाइंग ऑफिसर, विद्यालय में हुआ भव्य सम्मान

नरवाना, 7 जून (नरेन्द्र कुमार): डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, नरवाना के लिए शनिवार का दिन गौरव और उत्साह से भरा रहा, जब विद्यालय के

पूर्व छात्र नकील पुत्र श्री संजय कुमार के भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर पद पर चयन होने पर विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य गजेंद्र कुमार शर्मा ने नकील को प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित किया तथा उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नकील की सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि विद्यालय और पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उनकी मेहनत, लगन और समर्पण युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है।प्राचार्य ने कहा कि भारतीय वायु सेना जैसे प्रतिष्ठित संगठन में फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर चयनित होना अत्यंत सम्मान और गौरव की बात है। नकील ने यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय के शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने भी नकील की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस दौरान विद्यालय परिवार ने विश्वास जताया कि नकील देश सेवा के अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे तथा भविष्य में भी नई ऊंचाइयों को छुएंगे।नकील की इस सफलता से विद्यालय के विद्यार्थियों में भी उत्साह का माहौल है। विद्यालय परिवार ने इसे डी.ए.वी. नरवाना के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि ऐसे होनहार छात्र संस्थान की पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं।

भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर का हुआ समापन

शाहाबाद मारकंडा, 7 जून (रूबी): राजकीय माध्यमिक विद्यालय अजरानां खुर्द में व्यंजन /भोजन और रसोई गतिविधि के अंतर्गत स्थानीय

व्यंजन से संबंधित क्रियाकलाप में चल रहे 7 दिवसीय भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन हुआ। इस अवसर पर शिविर में प्रति दिवस परिचय, अभिवादन,शहर, बातचीत, कला, संस्कृति,भोजन, रसोई, महान व्यक्तियों की जानकारी, इतिहास, भूगोल, पारंपरिक खेल और प्रेरणादायक बातों के माध्यम से अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया। विद्यालय प्रभारी मीनाक्षी शर्मा ने स्थानीय व्यंजनों से संबंधित जानकारी अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं को दी। इस शिविर के अंतर्गत बच्चों का शारीरिक,बौद्धिक एवं मानसिक विकास हुआ है। इस शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों में अभिरुचि के साथ-साथ सृजनात्मकता में भी वृद्धि हुई है एवं बच्चों ने उत्साह एवं जागरूकता के साथ सकारात्मक रुझान दिए हैं। अभिभावकों ने भी भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर की प्रशंसा की। शिविर के समापन के अवसर पर छात्र-छात्राओं को प्रशंसनीय प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विक्रम, किरण कौर, कर्मजीत कौर, सिंदर कौर आदि उपस्थित थे।

नरवाना के दनौदा में बनेगा प्रदेश का सबसे बड़ा सीएचसी, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने 27 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास

शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता, अपराध पर जीरो टॉलरेंस की नीति : कृष्ण बेदी

नरवाना, 7 जून (नरेन्द्र कुमार): हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने गत संध्या नरवाना विधानसभा क्षेत्र के गांव दनौदा खुर्द, दनौदा कलां और दबलैन को करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए करीब 27 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने दनौदा में प्रदेश के सबसे बड़े सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की आधारशिला रखी जो क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में मील का पत्थर साबित होगा।ग्रामीण सभाओं को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य विजन शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा है। इन्हीं तीन स्तंभों को मजबूत करने के लिए सरकार गांव-गांव तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाने का कार्य कर रही

है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति लागू है तथा आमजन को सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध करवाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। दनौदा में बनेगा अत्याधुनिक तीन मंजिला सीएचसीकैबिनेट मंत्री ने दनौदा में करीब 25 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन किया। अढ़ाई एकड़ भूमि पर बनने वाला यह तीन मंजिला, पूर्णत: वातानुकूलित स्वास्थ्य केंद्र प्रदेश का सबसे बड़ा सीएचसी होगा। इसमें 30 बेड की क्षमता, एक एसएमओ, 11 मेडिकल ऑफिसर, 20 नर्सिंग स्टाफ और 50 से अधिक एचकेआरएन कर्मियों की नियुक्ति होगी।उन्होंने बताया कि अगले 18 महीनों में इस परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके शुरू होने से दनौदा सहित आसपास के एक दर्जन से अधिक गांवों की लगभग एक लाख आबादी को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।कैबिनेट मंत्री ने दनौदा कलां के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 43.20 लाख रुपये की लागत से बनने वाले चार नए कमरों तथा गांव दबलैन के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में 80.40 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नए स्कूल भवन का भी शिलान्यास किया। नए भवन में आठ कमरे, तीन विज्ञान प्रयोगशालाएं तथा छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा दनौदा और दबलैन में पक्की फिरनियों, गलियों तथा खेत-खलिहान मार्गों सहित कई विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के आधारभूत ढांचे को नई मजबूती मिलेगी।

खिलाड़ी खेल भावना के साथ खेलों में लें बढ़ चढ़ कर हिस्सा : फूल चंद सैनी

बाबैन, 7 जून (राजेश कुमार): रामसरन माजरा क्रिकेट क्लब द्वारा शनिवार से गांव के खेल मैदान में दो दिवसीय अंडर-17 ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न गांवों की 16 क्रिकेट टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी फूलचंद सैनी (दिल्ली) ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव के सरपंच प्रतिनिधि ओम प्रकाश सैनी ने की। इस अवसर पर भाजपा मंडल बाबैन के उपाध्यक्ष

रिंकू कश्यप विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त करने के बाद अतिथियों ने मैदान में जाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। अपने संबोधन में फूलचंद सैनी ने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेल व्यक्ति को न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं बल्कि उनमें अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और संघर्ष करने की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर खेलों से जुडऩे का आह्वान किया तथा भविष्य में भी अधिक से अधिक खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि ओम प्रकाश सैनी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उचित मंच और अवसर प्रदान करने की है। उन्होंने क्लब के पदाधिकारियों द्वारा प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की और आश्वासन दिया कि गांव में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा। विशेष अतिथि रिंकू कश्यप ने कहा कि खेलों के माध्यम से युवा अपनी प्रतिभा को निखारकर जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना बनाए रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले मैच में मेजबान रामसरन माजरा की टीम ने कालीरोणों की टीम को पटखनी दी। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला दूसरे दिन खेला जाएगा, जिसमें विजेता एवं उपविजेता टीमों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर क्लब के अभिषेक, गौतम, अरमान, लविष, आदित्य सैनी के अलावा अन्य पदाधिकारी, ग्रामीण तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

रविन्द्रा हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित तृतीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में सैकड़ों लोगों ने उठाया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ : डॉ. नवीन नैन भालसी

पानीपत,7 जून (ब्यूरो): समाज सेवा एवं जनकल्याण को समर्पित अपने निरंतर प्रयासों के तहत डॉ. नवीन नैन भालसी द्वारा संचालित जनहित अभियानों की श्रृंखला में रविवार को रविन्द्रा मातृत्व एवं सामान्य चिकित्सालय, पानीपत की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम के सहयोग से तृतीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। मडलौडा मुख्य चौक-चौराहा पर आयोजित इस शिविर में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श एवं नि:शुल्क औषधियों का लाभ उठाया। इस दौरान शिविर में डॉ. अंगद सिंह (अस्थि एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ), डॉ. शर्मिला (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ) तथा डॉ. आशीष सहगल (किरण एवं चित्रण जांच विशेषज्ञ) सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया। अस्थि एवं जोड़ संबंधी समस्याओं, महिला रोगों, रक्तचाप, रक्त शर्करा तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए लोगों ने बड़ी संख्या में शिविर का लाभ उठाया। इस दौरान डॉ. नवीन नैन भालसी ने बताया कि एक माह से ग्रामीण क्षेत्र में समाज सेवा एवं जनकल्याण के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण पहलें संचालित की जा रही हैं। ग्राम भालसी में महिलाओं एवं बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किया गया है, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से लगातार नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन भी किया जा रहा है। यह तृतीय चिकित्सा शिविर उसी जनसेवा अभियान की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। डॉ. नवीन नैन भालसी ने कहा कि स्वस्थ, शिक्षित एवं आत्मनिर्भर समाज ही विकसित राष्ट्र की आधारशिला होता है। समाज के जरूरतमंद, गरीब एवं वंचित वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना उनके जनसेवा अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक उत्थान से जुड़े ऐसे जनकल्याणकारी प्रयास भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।पानीपत के महशूर रविन्द्रा चिकित्सालय की पूरी चिकित्सक टीम, सहयोगी संस्थाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, गणमान्य नागरिकों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के सहयोग और विश्वास से ही ऐसे सेवा कार्य सफल होते हैं। क्षेत्रवासियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए डॉ. नवीन नैन भालसी के प्रयासों को समाज सेवा एवं जनकल्याण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम बताया।

पेड़-पौधों का जीवन में अहम योगदान : पवन गुप्ता

शाहाबाद मारकंडा, 7 जून (रूबी): अग्रवाल वैल्फेयर सोसायटी द्वारा एक निजी होटल में प्रधान पवन गुप्ता की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान पवन गुप्ता, महासचिव संदीप ऋषि, कोषाध्यक्ष नवीन मित्तल सहित सोसायटी के अनेकों सदस्य उपस्थित थे। गायत्री मंत्र उच्चारण पश्चात प्रधान पवन गुप्ता ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत

किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण दिवस एक उत्सव नहीं है बल्कि पर्यावरण को बचाने का एक संकल्प है। पर्यावरण सुरक्षित है तभी मानव जीवन सुरक्षित है। पवन ने कहा कि पेड़-पौधे का जीवन में अहम योगदान है। इस अवसर पर कार्यक्रम के संचालन के दौरान महासचिव संदीप ऋषि ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर उन्होंने पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ का नारा भी दिया। सोसायटी ने इस वर्ष वर्षा ऋतु में अलग-अलग स्थानों में अधिक से अधिक वृक्षारोपण का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पास किया। कोषाध्यक्ष नवीन मित्तल ने बताया कि शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन करवाया। इस अवसर पर उपप्रधान राकेश गर्ग, रजनीश गर्ग, दीपक गुप्ता, डॉ. पीयूष अग्रवाल, यशपाल सिंगला, ललित मोहन गुप्ता, उमेश गर्ग, संदीप गोयल, दीपक गोयल, राजकुमार गोयल, गुरचरण सिंगला, देवेंद्र सिंगला सहित सोसायटी के सदस्य उपस्थित थे।

घुमंतू समाज के उत्थान के लिए संगठित होकर कार्य करना जरूरी : कुलवंत बाजीगर

चीका /कैथल ,7 जून (सुरेंद्र कुमार): हरियाणा प्रदेश घुमंतू जाति प्रकोष्ठ के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर की अध्यक्षता में स्थानीय लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) विश्राम गृह, गुहला में घुमंतू, अर्ध-घुमंतू एवं विमुक्त जातियों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्यों सहित विभिन्न जिलों से पहुंचे

समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में समाज की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं, बुनियादी अधिकारों तथा सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रदेशाध्यक्ष कुलवंत बाजीगर ने कहा कि घुमंतू समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है, लेकिन आज भी समाज का एक बड़ा वर्ग मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को शिक्षा, आवास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। बैठक में मुख्य रूप से घुमंतू जातियों के जाति प्रमाण पत्र एवं परिवार पहचान पत्र में आ रही तकनीकी समस्याओं को दूर करवाने, युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सुविधाएं उपलब्ध करवाने, स्वरोजगार के लिए ऋण सुविधा दिलाने तथा भूमिहीन परिवारों को सरकारी योजनाओं के माध्यम से पक्के प्लॉट और मकान उपलब्ध करवाने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर सतपाल सिंह खरकड़ा, यमुनानगर से रामकुमार पाल, भवानी खेड़ा से सुरेश कुमार, बरवाला से अश्विनी गुंदली, अंबाला से गुरनाम सिंह, रतिया क्षेत्र से रवि कुमार, गोपाल सिंह, कुलदीप सिंह, सुन्दर सिंह, जगतार सिंह, सिरसा से वकील राम और सुनील कुमार, जींद से रमेश नायक ने बैठक में भाग लिया। बैठक के अंत में प्रदेशाध्यक्ष कुलवंत बाजीगर ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए समाज को संगठित करने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उपस्थित सदस्यों ने समाज के अधिकारों की आवाज को मजबूती से उठाने का संकल्प लिया।

सांसद नवीन जिंदल द्वारा आयोजित अंर्तराष्ट्रीय रोजगार महोत्सव युवाओं के लिए बना वरदान - हांडा

शाहाबाद मारकंडा, 7 जून (रूबी): वरिष्ठ भाजपा नेता त्रिलोचन सिंह हांडा ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल के मार्गदर्शन में आयोजित अंर्तराष्ट्रीय रोजगार महोत्सव युवाओं के लिए वरदान सिद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिंदल की सोच है कि प्रत्येक युवा किसी ना किसी स्किल में निपुण हो ताकि रोजगार के लिए उसे किसी के आगे हाथ ना फैलाने पड़े, बल्कि खुद का अपना

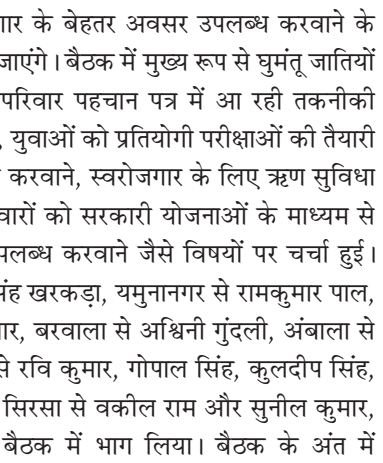

सैटअप तैयार किया जा सके। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिंदल ने 2 साल के अंदर अपना चुनावी वायदा पूरा करते हुए कुरूक्षेत्र में आधुनिक स्किल सैंटर और बाबैन में महात्मा ज्योतिबाफुले आई.टी.आई. की स्थापना का कार्य पूरा किया है। हांडा ने कहा कि स्किल सैंटर के जरिए लगभग 2500 युवाओं को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया गया है। हांडा ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल द्वारा शुरू की गई योजनाओं से कुरूक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के हजारों युवाओं को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ युवा अपनी पुस्तैनी जमीन बेचकर डंकी रूट से विदेश जाना चाहते थे, परंतु सांसद नवीन जिंदल द्वारा खोले गए स्किल सैंटरों में वही युवा अब प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना व्यवसाय खोलने की सोच लेकर आगे बढ़ रहे है।

ब्राह्मण कल्याण आयोग सहित मांगों को लेकर जल्द मुख्यमंत्री से मिलेगा शिष्टमंडल : पिचौलिया

नवंबर 2026 में होगा विशाल ब्राह्मण महासम्मेलन, बैठक में लिए गए कई अहम निर्णय

करनाल 7 जून (संदीप रोहिला): ब्राह्मण महासभा हरियाणा की एक विशेष बैठक रविवार को मानव सेवा संघ, करनाल में प्रदेशाध्यक्ष पंडित जिले सिंह पिचौलिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन वरिष्ठ उपप्रधान एवं राष्ट्रपति अवार्डी राजेंद्र कौशिक ने किया। बैठक में हरियाणा के सभी 23 जिलों से सैकड़ों पदाधिकारियों ने भाग लिया तथा संगठन के विस्तार और समाजहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए पंडित जिले सिंह पिचौलिया ने कहा कि ब्राह्मण महासभा हरियाणा एक गैर-राजनीतिक संगठन है, जो सभी राजनीतिक दलों और नेताओं का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि जो राजनीतिक दल ब्राह्मण समाज को अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व, चुनावों में टिकट तथा सत्ता में आने पर बोर्डों एवं निगमों में भागीदारी देगा, उसे निश्चित रूप से समाज का समर्थन मिलेगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री

द्वारा पूर्व में घोषित ब्राह्मण कल्याण आयोग के गठन तथा भगवान श्री परशुराम प्रकटोत्सव को प्रतिवर्ष सरकारी स्तर पर मनाने संबंधी घोषणाओं को लागू करवाने के लिए महासभा का एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही मुख्यमंत्री से मुलाकात करेगा। बैठक में सर्वसम्मति से पंडित जिले सिंह पिचौलिया की अध्यक्षता में 151 सदस्यीय राज्य स्तरीय शिष्टमंडल एवं 31 सदस्यीय राज्य स्तरीय कोर कमेटी का गठन किया गया। इसमें प्रदेश के सभी 23 जिलों को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। यह शिष्टमंडल प्रत्येक जिले में जाकर 31 सदस्यीय जिला समितियों का गठन करेगा, जिनमें ब्राह्मण समाज की विभिन्न संस्थाओं को शामिल किया जाएगा। महासभा ने नवंबर 2026 में हरियाणा में एक विशाल ब्राह्मण महासम्मेलन आयोजित करने की घोषणा भी की। इस सम्मेलन में हरियाणा सहित देशभर से लाखों ब्राह्मणों के शामिल होने की संभावना है। सम्मेलन में समाज की वर्तमान स्थिति, भविष्य की दिशा और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि समाज की धार्मिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं में चल रहे विवादों का आपसी सहमति से समाधान करवाया जाएगा तथा विभिन्न समाजों के बीच भाईचारा और सामाजिक समरसता को मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक जिले की ब्राह्मण धर्मशालाओं में कोचिंग सेंटर स्थापित कर युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाएगी, जिससे उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सहायता मिल सके। महासभा द्वारा दिल्ली क्षेत्र तथा पंचकूला में प्रशिक्षण अकादमियां स्थापित करने की योजना भी बनाई गई है, जहां यूपीएससी एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाएगी। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की शिक्षा तथा जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग करने का भी निर्णय लिया गया। साथ ही युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित कर वैवाहिक संबंधों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। बैठक में महिलाओं और युवाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने तथा प्रदेश स्तर पर एक टेलीफोन डायरेक्टरी तैयार करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में मेजर डॉ. ए.पी. सावरिया, विक्की शर्मा, जयपाल गौड़, आर.पी. गौड़, रोशन लाल खांडा, सतीश दौरंग, प्रवीन कौशिक, योगेश कौशिक, हरिनारायण, ऋषिराज भारद्वाज, सुरेंद्र बडोता, कुलदीप शर्मा, सुरेंद्र भूषण, रामभगत शास्त्री, नरेश गौड़, ज्ञानचंद, रमेश शर्मा, अशोक शर्मा, रतन लाल शर्मा, राजकुमार भारद्वाज, लक्ष्मण शर्मा, जनार्दन शर्मा, प्रमोद शर्मा, विनोद महता, रविदत्त कौशिक, देवी प्रसाद, शशि वत्स, डॉ. जे.पी. गौड़ सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखे।

डॉ. बशीर बद्र की याद में जनवादी लेखक संघ ने आयोजित किया कार्यक्रम

चयनित कवियों के संदर्भ में भाषा के सवाल पर परिचर्चा आयोजित

करनाल, 7 जून (प्रवीन कुमार): न्यू रमेश नगर करनाल के संत रविदास मंदिर प्रांगण स्थित सोशल जस्टिस लाइब्रेरी एंड स्टडी सेंटर में जनवादी लेखक संघ करनाल के बैनर तले पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र की याद में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें दो सत्र काव्यपाठ और कविता में भाषा के सवाल पर परिचर्चा की गई। संगोष्ठी में डॉ. योगेश शर्मा और हिन्दी प्राध्यापक अरुण कैहरबा ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन लेखक संघ के सचिव दीपक वोहरा ने किया। डॉ. योगेश शर्मा व अरुण कैहरबा ने कविता में भाषा के सवाल पर पाँच चयनित कवियों- डॉ. कपिल भारद्वाज (अम्बाला) और हरियाणा साहित्य अकादमी से पुरस्कृत कवि राजेश भारती, चंडीगढ़ से आए शायर सर्वेश शायर, विनोद वत्स और अमित तँवर की कविता व गज़ल पर अपना वक्तव्य दिया। काव्य गोष्ठी में पानीपत से आए शायर इकबाल पानीपती ने तरन्नुम में अपनी गज़ल पढक़र समां बांध दिया। पेहवा से आए हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखने वाले डॉ. देशराज, विपन कुमार तथा कबीर कोहिनूर सम्मान 2026 के लिए चयनित हुए रामेश्वर देव, इन्द्री से आए दयाल चंद जास्ट तथा दीपक वोहरा ने अपनी रचनाएं सुनाई। कार्यक्रम में जींद से आई रेणु शर्मा, शकुंतला देवी, रूपाक्षी, सक्षम वोहरा, समीक्षा वोहरा, राजकुमार मायूस व गजल की विशेष रूप से उपस्थिति रही।योगेश शर्मा ने कविता में भाषा के सवाल पर कबीर, रैदास, मीरा, तुलसीदास को उद्धृत करते हुए अपना वक्तव्य दिया और रचनाकारों की कविता और गज़ल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाषा वह तत्व है, जिससे गद्य और पद्य में अंतर होता है। हर कवि की भाषा का मिजाज जुदा होता है। उन्होंने कहा कि भाषा पर वर्चस्व के लिए कोशिशें हो रही हैं। कवि अपनी कविता में नए अर्थ पैदा करके भाषा को बचाने की कोशिश करता है। अरुण कैहरबा ने कहा कि कवि भाषा के माध्यम से अपनी अनुभूति व विचारों को कविता में पिरोता है। आसान शब्दों में गहरी भाव बयां करने वाले कवियों की कविताएं पाठकों व श्रोताओं की जुबान पर सहज ही चढ़ जाती हैं। उन्होंने बशीर बद्र ही ग़ज़लों का जिक्र करते हुए कहा कि सहजता, सरलता और भावों की गहराई उनकी विशेषता है।

जूनियर नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मधुबन की खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

घरौंडा, 7 जून (सतीश कुमार पंडित): ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित जूनियर नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मधुबन की

दो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में खुशी करावली नेच-1 इवेंट की 60 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) अपने नाम किया। खुशी की आयु 15 वर्ष है और वह मधुबन स्थित प्रशिक्षण केंद्र में नियमित अभ्यास करती हैं। वहीं, विभावरी ने लो किक इवेंट के 65 किलोग्राम भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) हासिल किया। विभावरी की आयु 17 वर्ष है और वह भी मधुबन प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। दोनों खिलाड़ियों को हरियाणा पुलिस के कोच अजय अंटिल द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। उनकी मेहनत, अनुशासन और कोच के मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के खेल प्रेमियों, अभिभावकों और गणमान्य लोगों ने खुशी और विभावरी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खिलाड़ियों की इस सफलता से अन्य युवाओं को भी खेलों के प्रति प्रेरणा मिलेगी और क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। कोच अजय अंटिल ने बताया कि दोनों खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता की तैयारी के लिए कड़ी मेहनत की थी और उनकी लगन का परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर पदक के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी खिलाड़ी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगी।

भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन, विद्यार्थियों को व्यंजनों की दी जानकारी

शाहाबाद मारकंडा, 7 जून (रूबी): पी.एम.श्री. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहाबाद में आयोजित 7 दिवसीय भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन हुआ। शिविर के समापन अवसर पर

विद्यालय के प्राचार्य लक्ष्मी प्रसाद ने विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं, संस्कृति एवं विभिन्न राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं से भरा देश है, जहां प्रत्येक राज्य की अपनी भाषा, बोली, खान-पान और सांस्कृतिक पहचान है। विद्यार्थियों को इन विविधताओं से परिचित कराना ही इस शिविर का मुख्य उद्देश्य रहा। प्राचार्य लक्ष्मी प्रसाद ने बताया कि भारतीय व्यंजन केवल स्वाद तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वह हमारी संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली का भी परिचय देते हैं। मक्के की रोटी और सरसों का साग, ढोकला, इडली-डोसा, दाल-बाटी चूरमा तथा अन्य राज्यों के प्रसिद्ध व्यंजनों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर मिलता है। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न भाषाओं के शब्द, लोकगीत, कहावतें और सांस्कृतिक गतिविधियां सीखीं, जिससे उनके ज्ञान में वृद्धि हुई। समापन समारोह में विद्यार्थियों ने अपने अनुभव सांझा किया। प्राचार्य लक्ष्मी प्रसाद ने सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को साधुवाद दिया। शिविर में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए।

जिला पुलिस का नशा तस्करों पर कड़ा प्रहार:एंटी नारकोटिक सैल व सीआईए-1 पुलिस द्वारा अलग-अलग 3 मामलों में 4 आरोपी काबू

कैथल,7 जून (सुरेंद्र कुमार): जिला पुलिस द्वारा नशा मुक्त हो जिला अभियान के तहत एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के कुशल नेतृत्व में नशा तस्करों के खिलाफ प्रहार करते हुए बड़ी सफलता हासिल की गई है। एंटी नारकोटिक सैल व सीआईए-1 पुलिस द्वारा नशा तस्करी के अलग अलग 3 मामलों में 4 आरोपियों को काबू कर लिया गया। जिनके कब्जे से 2 किलो 722 ग्राम, 65 किलो 730 ग्राम डोडा पोस्त तथा 20 किलो 780 ग्राम गांजा फूल पत्ती बरामद हुआ है। डीएसपी सुशील प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि पहले मामले में एन्टी नारकोटिक सैल प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एसआई बलराज सिंह की टीम अपराध एवं नशा तस्करी की रोकथाम के लिए क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। टीम बस अड्डा टीक क्षेत्र में मौजूद थी, तभी एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि नाथूलाल नामक व्यक्ति आसपास के गांवों एवं क्षेत्र में नशा करने वाले व्यक्तियों को अफीम सप्लाई करता

है तथा वह आज भी अफीम बेचने के उद्देश्य से टीक क्षेत्र में आने वाला है। सूचना को विश्वसनीय मानते हुए पुलिस टीम द्वारा रेडिंग पार्टी का गठन करके कुरुक्षेत्र रोड़ पर निगरानी शुरू की। कुछ समय बाद एक व्यक्ति काले रंग का पिट्ठू बैग लेकर पैदल आता दिखाई दिया, जिसे पुलिस टीम द्वारा काबू कर लिया गया। जिसकी पहचान नाथूलाल निवासी गांव सेधरा करनाली, जिला मंदसौर (मध्य प्रदेश) के रूप में की। पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंचे डीएसपी सुशील प्रकाश के समक्ष की गई जांच दौरान आरोपी के कंधे पर टंगे काले रंग के पिट्ठू बैग से 2 किलो 722 ग्राम अफीम बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ थाना सदर में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एएसआई जगभान द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। दूसरे मामले में एन्टी नारकोटिक सैल के एएसआई राजेश कुमार की टीम अपराधों की रोकथाम एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के लिए गांव मोहना के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-152 डी के पुल के नीचे मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस टीम को एक विश्वसनीय गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि पंजाब निवासी एक व्यक्ति अपनी सफेद रंग की इनोवा कार में भारी मात्रा में डोडा पोस्त लेकर करनाल की तरफ से कैथल होते हुए पंजाब की ओर जाने वाला है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तुरंत नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। कुछ समय बाद बताए गए नंबर की इनोवा कार को रोककर चालक से पूछताछ की गई। चालक ने अपनी पहचान परविन्द्र सिंह निवासी गांव दुधाला, जिला शहीद भगत सिंह नगर (नवांशहर), पंजाब के रूप में बताई। पुलिस सूचना पर मौके पर पहुंचे डीएसपी कैथल रमेश चन्द्र के समक्ष ली गई तलाशी दौरान इनोवा कार की पिछली सीटों के पीछे रखे चार कट्टों से 65 किलो 730 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना पूंडरी में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एएसआई रोहताश द्वारा गिरफ्तार करके नशा तस्करी में प्रयुक्त गाड़ी को जब्त कर लिया गया।डीएसपी ने बताया की तीसरे मामले में सीआईए-1 प्रभारी सब इंस्पेक्टर जसवंत सिंह की अगुवाई में एएसआई रघुबीर सिंह की टीम गांव ग्योंग क्षेत्र में अपराधों एवं नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए गश्त पर मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि गांव बारवां, जिला कुरुक्षेत्र निवासी बलदेव सिंह उर्फ कालू तथा उसका भांजा रवि लंबे समय से गांजा फुल पत्ती की तस्करी का कार्य कर रहे हैं और महिन्द्रा सुपरो वाहन में भारी मात्रा में गांजा लेकर कैथल की ओर आने वाले हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने कैथल-कुरुक्षेत्र रोड स्थित हांसी-बुटाना नहर पुल के समीप नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। करीब रात 9 बजे कुरुक्षेत्र की ओर से एक संदिग्ध महिन्द्रा सुपरो वाहन आता दिखाई दिया। पुलिस द्वारा वाहन रोकने का संकेत दिए जाने पर चालक और उसके साथ बैठा युवक वाहन से उतरकर भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को मौके पर ही काबू कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों की पहचान बलदेव सिंह उर्फ कालू निवासी गांव बारवां, जिला कुरुक्षेत्र तथा रवि निवासी फौजी प्लाट पेहवा, हाल निवासी गांव बारवां, जिला कुरुक्षेत्र के रूप में हुई। पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंचे डीएसपी बीर भान के समक्ष ली गई तलाशी के दौरान गाड़ी के कैबिन से एक प्लास्टिक कट्टे से 20 किलो 780 ग्राम गांजा फुल पत्ती बरामद हुई। आरोपियों के खिलाफ थाना सदर में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एएसआई गुरदान द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करके नशा तस्करी में प्रयुक्त गाड़ी जब्त कर ली गई। पुलिस द्वारा सभी आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है।डीएसपी ने कहा की जिला पुलिस पुलिस का साफ संदेश है कि नशा तस्करी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा तथा युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। जिला पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को नशा तस्करी या अन्य आपराधिक गतिविधियों संबंधी कोई सूचना मिले तो तुरंत पुलिस को अवगत करवाएं। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी।

नई बस्ती में पहुंचा आदित्य सुरजेवाला नि:शुल्क मोबाइल अस्पताल

नरवाना के सैकड़ों लोगों ने उठाया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

नरवाना, 7 जून (नरेन्द्र कुमार): जनसेवा और स्वास्थ्य सुविधाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित आदित्य सुरजेवाला नि:शुल्क मोबाइल अस्पताल

का कारवां रविवार को नरवाना शहर के वार्ड-15 स्थित नई बस्ती इस्माइलपुर रोड पहुंचा। यहां आयोजित स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों लोगों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच करवाई और मुफ्त दवाइयों का लाभ उठाया।शिविर का शुभारंभ हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं नरवाना नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन कैलाश सिंगला ने रिबन काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना सबसे बड़ी सेवा है और यह मोबाइल अस्पताल उसी दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।विधायक आदित्य सुरजेवाला की पहल पर शुरू की गई यह मोबाइल अस्पताल वैन नरवाना विधानसभा क्षेत्र के अनेक गांवों और शहरी वार्डों में पहुंचकर लोगों को घर के नजदीक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवा रही है। नरवाना क्षेत्र में इस सेवा अभियान के संचालन की जिम्मेदारी वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह सुरजेवाला निभा रहे हैं।शिविर में जयराम अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. गरिमा एमबीबीएस एवं उनकी टीम ने मरीजों की स्वास्थ्य जांच की। इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर सहित विभिन्न सामान्य बीमारियों की जांच कर मौके पर ही आवश्यक दवाइयां नि:शुल्क वितरित की गईं। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने इस सुविधा का लाभ उठाया।वार्डवासियों ने विधायक आदित्य सुरजेवाला का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि घर के पास ही स्वास्थ्य जांच और मुफ्त दवाइयों जैसी सुविधाएं उपलब्ध होना आमजन के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने इस पहल को जनहित में उठाया गया सराहनीय कदम बताते हुए कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को विशेष लाभ मिल रहा है कैलाश सिंगला ने बताया कि मोबाइल अस्पताल सेवा का उद्देश्य प्रत्येक गांव और प्रत्येक वार्ड तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है ताकि जरूरतमंद लोगों को उपचार के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़े। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी यह सेवा अभियान निरंतर जारी रहेगा।शिविर के दौरान वरिष्ठ नेता बृजेंद्र सुरजेवाला, जगरूप सुरजेवाला, कांग्रेस एससी सेल जिला अध्यक्ष सतबीर दबलैन, कृषक समाज जिला अध्यक्ष बिंदर फरैण, बबलू एमसी, डॉ. शमशेर अमरगढ़, सुरेंद्र नैन, होशियार सिंह, परवान खान, डॉ. कृष्ण, जगदीश जाखड़, मुख्त्यार सिंह, जय सिंह अटवाल, विक्रम, सुल्तान खान, रोडा खान, कवर सैन, अमर सिंह, सुभाष नायक, राकेश रायका, धौला नैन और संजीव धमतान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों ने चण्डीगढ़ में बैठक करके आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की

चण्डीगढ़ 7 जून (निस) अखिल भारत ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों ने चंडीगढ़ सहित पंजाब के कुछ जिलों का भ्रमण किया। श्री ब्राह्मण सभा चण्डीगढ़ के अध्यक्ष और अखिल भारत ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महासचिव यशपाल तिवारी ने बताया कि 4 और 5 जुलाई को आगरा में होने वाली बैठक की तैयारियों के क्रम में अखिल भारत ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रदीप ज्योति, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केशव राव और मुख्य संरक्षक पंडित पदम प्रकाश शर्मा ने चंडीगढ़ सहित पंजाब के दौरा किया। पंजाब ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष पंडित शेखर शुक्ला, संजीव शर्मा तथा सुरिंदर लखनपाल ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों का स्वागत किया और सबसे पहले नवांशहर जिले के गाँव रकासन में जाकर भगवान परशुराम जन्मस्थली के दर्शन किए माथा टेका। रोपड़ जिले के सीनियर एडवोकेट और अखिल भारत ब्राह्मण महासभा के वरिष्ठ संरक्षक शेखर शुक्ला ने गांव रकासन के निवासियों के सहयोग से भगवान परशुराम जी का भव्य मंदिर बनाया है।

बाद में अन्य जिलों का भी दौरा किया। यशपाल तिवारी ने कहा कि अखिल भारत ब्राह्मण महासभा के उच्च पदाधिकारी जहां भी गए वहां इस बात पर विशेष चर्चा की कि सभी सहभागियों को समाज के कल्याण हेतु संगठित होकर नीतिबद्ध शैली में कार्य करना चाहिए। कुरीतियों के उन्मूलन और आपसी समन्वय तथा समरसता की भावना के लिए बहुत ही संवेदनशील होकर जागरूकता लानी होगी।

तिवारी ने बताया कि इसी क्रम में अन्य प्रांतों में भी जन संपर्क किया जाएगा।

डिजिटल आक्रामकता के जाल में फंसा बचपन

- दिलीप कुमार पाठक

आजकल घरों में शाम के वक्त एक खामोश नजारा दिखाई देता है। पूरा परिवार एक ही कमरे में, एक ही सोफे पर साथ बैठा होता है, लेकिन आपस में कोई बातचीत नहीं होती। सब के सब चुपचाप अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। माता-पिता भी इस बात से बड़े खुश और बेफिक्र रहते हैं कि उनका बच्चा बाहर धूप या धूल-मिट्टी में नहीं घूम रहा है, बल्कि घर के अंदर आराम से सुरक्षित बैठा है। लेकिन क्या कभी हमने ठंडे दिमाग से बैठकर यह सोचने की कोशिश की है कि स्क्रीन में अपनी आंखें गड़ाए बैठा हमारा यह मासूम बच्चा अंदर ही अंदर किस मानसिक दौर से गुजर रहा है? कहीं उसके नन्हें दिमाग पर नकारात्मक असर तो नहीं हो रहा?

हर साल 4 जून को पूरी दुनिया में आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। पुराने जमाने में जब इस दिन की चर्चा होती थी, तो बच्चों पर अत्याचार का सीधा सा मतलब लड़ाई-झगड़े, युद्ध, दंगे या फिर फैक्ट्रियों में होने वाली बाल-मजूदरी से लगाया जाता था। लेकिन आज के इस आधुनिक और डिजिटल युग में मासूमों के खिलाफ होने वाली हिंसा का पूरा चेहरा ही बदल चुका है। अब यह आक्रामकता सड़क पर शोर नहीं मचाती। अब यह हिंसा बिना किसी आवाज के, इंटरनेट के महीन रास्तों से रेंगती हुई सीधे हमारे घरों के भीतर और हमारे बच्चों के दिमाग पर सीधा हमला कर रही है। ज़रा रुककर गंभीरता से सोचिए। आपका बच्चा आपके ठीक सामने बैठा हो सकता है, लेकिन मुमकिन है कि ठीक उसी वक्त उसका कोमल मन किसी बहुत गहरे तनाव या डर में डूब रहा हो। ऑनलाइन गेम खेलते समय किसी अनजान शख्स द्वारा दी गई गंदी गालियां, सोशल मीडिया पर दोस्तों द्वारा उड़ाया गया उसका कोई भद्दा मजाक, या फिर इंटरनेट के समंदर में छिपे किसी अपराधी की गंदी नजर। यह डिजिटल आक्रामकता ऐसी होती है जो बाहर से शरीर पर दिखाई नहीं देती, इसलिए इसके ज़ख्म और भी ज्यादा गहरे होते हैं। यह अदृश्य हमला बच्चे के आत्मविश्वास को भीतर ही भीतर खोखला कर देता है। सबसे ज्यादा डरावना तो यह है कि इंटरनेट के इस गंदे खेल में कोई तीसरा देखने वाला गवाह नहीं होता, सिवाय उस एक सहमे हुए और अकेले पड़ चुके बच्चे के।

वैश्विक संस्था यूनिसेफ की एक हालिया रिपोर्ट साफ कहती है कि दुनिया में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला हर तीसरा इंसान असल में एक बच्चा है। और इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक बहुत बड़ी आबादी ऑनलाइन किसी न किसी रूप में मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का शिकार होती है। हम अपनी व्यस्त जिंदगी में बच्चों को रोने से रोकने या उन्हें शांत बैठाने के लिए खिलौने की जगह मोबाइल थमा देते हैं। यह डिजिटल झुनझुना शुरू-शुरू में तो हमें बड़ी राहत देता है, लेकिन धीरे-धीरे यही मोबाइल बच्चे और माता-पिता के बीच बातचीत का रास्ता हमेशा के लिए बंद कर देता है। जब बच्चा इंटरनेट की किसी बड़ी मुसीबत या ब्लैकमेलिंग में फंसता है, तो वह लोक-लाज और डर के मारे अपने मम्मी-पापा को कुछ नहीं बता पाता। वह अंदर ही अंदर घुटता रहता है, उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और वह खुद को एक अंधेरे कमरे में बंद कर लेता है। अब वह समय आ गया है जब हमें इस बढ़ते हुए खतरे को गहराई से समझना होगा। यह कोई ऐसी सामाजिक समस्या नहीं है जो केवल पुलिस की मुस्तैदी या सरकार के कड़े कानून बना देने भर से ठीक हो जाएगी। इस बीमारी के इलाज की शुरुआत हमारे अपने घर के भीतर से ही होगी। बच्चों को महंगे स्मार्टफोन या गैजेट्स लाकर देने से कहीं ज्यादा जरूरी है उन्हें अपना कीमती वक्त देना। अपने बच्चों के बदलते हुए बर्ताव पर हमेशा नजर रखिए। अगर आपका हंसता-खेलता बच्चा अचानक गुमसुम रहने लगा है, बात-बात पर गुस्सा कर रहा है या आपसे अपना फोन छिपाने लगा है, तो उसे डांटने या मारने की गलती बिल्कुल मत कीजिए। उसके पास बैठिए, प्यार से हाथ थामिए, उससे खुलकर बातें कीजिए और उसे यह भरोसा दिलाइए कि दुनिया की चाहे जो भी मुसीबत हो, उसके मम्मी-पापा हमेशा उसके साथ खड़े हैं। इस देश के बचपन को सुरक्षित और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आइए, इस डिजिटल दौर में अपने बच्चों के सबसे अच्छे और सच्चे दोस्त बनें। उनके हाथ से कुछ देर के लिए फोन छीनकर उन्हें पास के मैदान में खेलने के लिए भेजें, रात को सोने से पहले उनसे गप्पें मारें और उन्हें खुलकर हंसने का असली मौका दें। जब तक हम उनके लिए घर में एक सुरक्षित और भरोसेमंद माहौल नहीं बनाएंगे, तब तक स्क्रीन के पीछे का यह रोना कभी बंद नहीं होगा। हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य मोबाइल की इस छोटी सी स्क्रीन में घुट-घुट कर जीने के लिए नहीं, बल्कि खुले आसमान के नीचे खुलकर जिंदगी जीने के लिए है।

बच्चों में एकाग्रता बनाए रखने के लिए अपनाएं ये उपाय

ज़्यादातर बच्चों में देखा गया है कि उनका पढ़ाई में मन नहीं लगता। बाकी कामों में भी वे सही से ध्यान नहीं दे पाते। इसकी कई वजहें हो सकती हैं लेकिन एक वजह एकाग्रता की कमी भी है। अगर आपके बच्चे में भी एकाग्रता की कमी है तो फिर कुछ चीजों का ध्यान रख आप इसे सुधार सकते हैं।

नाश्ते में साबुत अनाज की बनी चीजें

आपका बच्चा किसी काम पर सही ढंग से ध्यान नहीं दे पाता इसकी सबसे बड़ी वजह है उसके शरीर में शुगर की कमी। इसे पूरा करने के लिए अपने बच्चे को साबुत अनाज का नाश्ता दें। चाहे तो आप नाश्ते में ब्राउन राइस और बाजरे की बनी चीजें दे सकते हैं। ब्राउन राइस पोहा खिला सकते हैं। साबुत अनाज को नाश्ते में शामिल करने से दिनभर भूख नहीं लगती और पूरे दिन दिमाग भी सक्रिय रहता है।

शुगर को कहें ना-जब बच्चे घर से बाहर होते हैं या बाहर खाते हैं तो फिर आप उनकी बॉडी के शुगर लेवल पर चेक नहीं रख सकते इसलिए ज़रूरी है कि आप उनकी शुगर क्रेविंग्स को घर पर ही दूर कर दें। इसके लिए आप अपने बच्चे को शुगर से शरीर में होने वाले नुकसान के बारे में बता सकते हैं। आपका बच्चा रोजाना जो खाना खा रहा है उसमें भी आप कुछ बदलाव कर उसके शरीर में शुगर की कमी पूरी कर सकते हैं। **बच्चे को भूख लगे तो ये चीजें खिलाएं ये चीजें**

आलू के बजाय अपने बच्चों को स्टार्च वाली अन्य चीजें खिलाएं जैसे कि शकरकंदी। इसे आप बेक्ड चिप्स और फ्रेंच फ्राइज़ भी बना सकती हैं। अगर आपके बच्चे को अरबी खाना पसंद नहीं है तो आप उससे अन्य स्वादिष्ट चीजें बना सकती हैं। इसके अलावा बाकी स्टार्च फूड्स खिला सकती हैं। दरअसल स्टार्च सेरोटॉनिन का मुख्य स्त्रोत होता है जो मूड को अच्छा रखता है। इसके अलावा यह बच्चों को शांत और खुश रहने में भी मदद करता है।

बेटे को भी सिखाएं घर के काम

बच्चों को बचपन से ही अच्छी बातें सिखाने की जिम्मेदारी माता.पिता की होती है। पांच साल से 18 वर्ष की आयु तक बेटों को कुछ बातें सिखाने से वह जिम्मेदार और आदर्श व्यक्ति बनते हैं।

अक्सर मां अपने बेटे को रसोई का कोई काम करने नहीं देती। उनका मानना है कि रसोई का काम सिर्फलड़कियों का है। मगर अपने बेटे को बताएं कि आज के दौर में लड़कों को भी रसोई का काम आना चाहिए क्योंकि उच्च शिक्षा और नौकरियों के दौरान उन्हें भी अकेला रहना पड़ सकता है। 12 वर्ष की आयु के बाद बच्चा परिपक्व होने लगता है।

उसे आप इस अवस्था में कुछ छोटे काम जैसे चाय व सैंडविच बनाना आदि सिखा सकती हैं। बेटे को शारीरिक हिंसा से हमेशा दूर रहने के लिए कहें। इससे जहां वह बाहर लड़ाई.झगड़े से दूर रहेगा वहीं घर के सदस्यों से भी अच्छा व्यवहार करेगा।

बच्चे हो रहे साइबल बुलइिंग का शिकार

हाईटेक जमाने में आजकल बच्चे भी इंटरनेट पर सक्रिय रहते है। इस दौरान कब वे साइबर बुलीइंग के खतरनाक रूप से शिकार हो जाते हैं पता ही नहीं चलता। बुलीइंग का मतलब तंग करना है। इतना तंग करना कि पीड़ित का मानिसक संतुलन बिगड़ जाए। बुलीइंग पीड़ित को मानसिक, इमोशनल और दिमागी रूप से प्रभावित करती है। बुलीइंग जब इंटरनेट के जरिए होता है तो इसे साइबर बुलीइंग कहते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 17 प्रतिशत बच्चे इसका शिकार पाए गए हैं। एक अध्ययन में पता चला है कि यह बुलीइंग केवल ऑनलाइन नहीं रही है। इसके तहत एक स्कूल की एक ही क्लास के 174 बच्चों को शामिल किया था। यह स्कूल भले ही सरकारी था, लेकिन इंग्लिश मीडियम का था। बच्चे मिडल क्लास के थे। 174 स्कूली बच्चों में 121 लड़के और बाकी लड़कियां थीं।

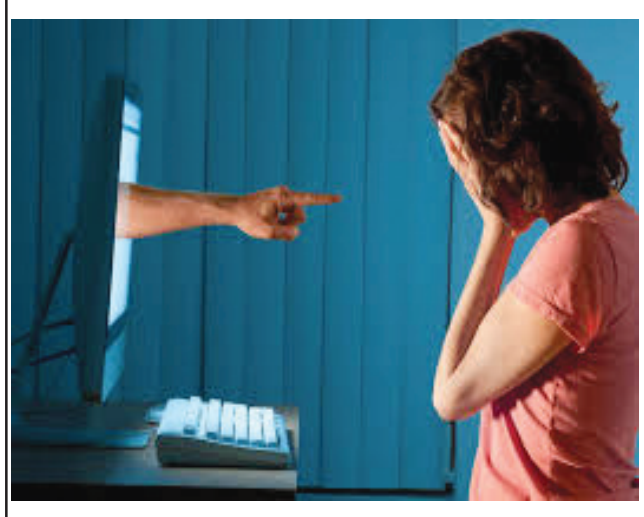

अध्ययन में एक सरकारी स्कूल को शामिल किया गया था। इसमें 8वीं क्लास के 174 बच्चों को रखा गया। उनकी उम्र 11 से 15 साल के बीच थी। हैरानी की बात है कि 70 प्रतिशत बच्चों को साइबर बुलीइंग के बारे में पता था। 17 प्रतिशत बच्चे बुलीइंग के शिकार थे। 7 प्रतिशत बच्चों ने माना कि वे दूसरों की बुलीइंग कर चुके हैं। अध्ययन में पाया गया कि 15 प्रतिशत बच्चे शारीरिक तौर पर भी बुलीइंग के शिकार हो रहे हैं। इसमें मारपीट की धमकी देकर डराया गया था।

क्या है साइबर बुलीइंग अभिभावक रहें सतर्क

रिसर्च करने वाले डॉक्टर का कहना है कि बच्चे को अब स्मार्ट फोन और इंटरनेट के उपयोग से रोक पाना तो मुश्किल है, लेकिन अभिभावकों की भूमिका जरुर बढ़ गयी है। उन्हें अपने बच्चों के व्यवहार पर नजर रखनी होगी। उन्हें बच्चे पर नजर रखनी होगी कि उनकी नींद कैसी है। खानपान में दिलचस्पी, चिड़चिड़ापन, रिश्तेदारों से मिलने से कतराना और अकेले रहने के लक्षण किसी प्रकार के तनाव की वजह हो सकते हैं। शिक्षकों को भी देखना चाहिए कि बच्चों का व्यवहार अचानक तो नहीं बदल रहा।

बच्चों को कार में छोड़ने की गलती न करें जानलेवा हो सकता है

खड़ी कार अगर पूरी तरह से बंद है तो उसके भीतर किसी को नहीं बैठना चाहिए। खासकर बच्चों को तो ऐसे कार के अंदर छोडना ही नहीं चाहिए। अगर बच्चों को कार में छोड़ना ही पड़े तो उसका कांच लगभग आधा खोलकर रखें। जब भीषण गर्मी का दिन हो तब तो ऐसी भूल बच्चों के लिए जानलेवा हो सकती है।

कई बार लोग यह सोचकर बच्चों को कुछ मिनटों के लिए कार में अकेला छोड़ देते हैं कि इससे कोई खतरा नहीं होगा लेकिन, यही छोटी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। एक्सपर्ट के अनुसार धूप में खड़ी बंद कार महज 10 से 15 मिनट के भीतर ही हीट चैंबर में बदल जाती है। कार के अंदर तापमान बाहर की तुलना में कई गुना ज्यादा हो जाता है। ऐसे माहौल में बच्चों का शरीर तेजी से गर्म होता है और वे हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन या दम घुटने जैसी गंभीर स्थिति का शिकार हो सकते हैं। इसके पीछे के कारण बताते हुए एक्सपर्ट ने बताया कि कार के शीशे सूरज की किरणों को अंदर आने देते हैं लेकिन, गर्मी को बाहर निकलने नहीं देते। इसे ग्रीनहाउस इफेक्ट कहा जाता है। जब कार धूप में खड़ी रहती है, तो सूरज की गर्म किरणें शीशों के जरिए आसानी से अंदर पहुंच जाती हैं। इसके बाद कार की सीट, डैशबोर्ड और अन्य हिस्से गर्म होकर हीट पैदा करने लगते हैं।

बंद शीशों और दरवाजों की वजह से यह गर्मी बाहर नहीं निकल पाती। नतीजा यह होता है कि कार के अंदर लगातार तापमान बढ़ता जाता है और कुछ ही देर में अंदर का माहौल बाहर की तुलना में कई गुना ज्यादा गर्म हो जाता है। अगर बाहर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस है तो तो कार के अंदर का तापमान कुछ ही मिनटों में 50 से 60 डिग्री तक पहुंच सकता है। एक्सपर्ट के अनुसार बच्चों के लिहाज से यह सबसे अधिक खतरनाक इसीलिए हो जाता है क्योंकि छोटे बच्चों में शरीर को ठंडा रखने की क्षमता पूरी तरह विकसित नहीं होती। ऐसे में कार के भीतर गर्मी बढ़ने पर उनका शरीर जल्दी प्रतिक्रिया देने लगता है। बच्चे इस गर्मी को झेल नहीं पाते हैं। शुरुआत में पसीना आना, बेचैनी, तेज सांस चलना और चक्कर जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। स्थिति गंभीर होने पर बच्चा बेहोश भी हो सकता है और समय पर मदद नहीं मिलने पर जान जाने का खतरा भी रहता है। इसलिए बच्चों या पालतू जानवरों को कभी भी बंद कार में अकेला न छोड़ें, चाहे समय कुछ मिनटों का ही क्यों न हो।

एक्सपर्ट के अनुसार गर्मी के दिनों में कुछ सावधानियां अपनाकर कार के अंदर बढ़ने वाले तापमान से काफी हद तक बचा जा सकता है। सबसे जरूरी है कि कार को हमेशा पेड़ की छांव या ऐसी जगह पार्क करें, जहां सीधी धूप कम पड़ती हो। अगर मजबूरी में धूप में गाड़ी खड़ा करना पड़े, तो शीशों को थोड़ा सा खुला छोड़ सकते हैं, ताकि अंदर की गर्म हवा बाहर निकलती रहे। हालांकि, इससे कुछ ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। इसके अलावा कार स्टार्ट करने से पहले कुछ देर के लिए सभी शीशे खोल देना चाहिए ताकि अंदर जमा गर्म हवा बाहर निकल जाए। कई लोग कार के शीशों पर विशेष सन-फिल्म या हीट प्रोटेक्शन फिल्म भी लगवाते हैं। ये सूरज की गर्म किरणों को काफी हद तक रोकने में मदद करती है। अगर संभव हो तो हल्के रंग की कार चुनना भी बेहतर होता है, क्योंकि गहरे रंग की गाड़ियां ज्यादा गर्मी सोखती हैं।

गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को घर का कामकाज सिखाएं

घर में छोटे बच्चे हो तो घर व्यवस्थित रहेगा, इसकी कल्पना करना भी बेकार है क्योंकि बच्चे घर के सामान को खेल-खेल में बिखेर देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि वीकेंड पर बच्चों से ही घर को व्यवस्थित करा लिया जाए, जिससे वे घर का रख-रखाव सीख जाएंगे और घर को व्यवस्थित रखने में आपकी मदद भी कर देंगे।

बच्चों को टास्क दें--कोई भी बच्चा एक दिन में पूरे घर की सफाई करना नहीं सीख सकता। वीकेंड पर बच्चों को छोटी-छोटी चीजें व्यवस्थित करना सिखाएं। इसके लिए उन्हें घर के किसी एक कोने को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दे सकती हैं। आप उन्हें उनके वॉर्डरोब के सामान को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दें परन्तु उन्हें यह जरूर बताएं कि पहले सारे कपड़े वॉर्डरोब से बाहर निकालें और फिर उन्हें दोबारा तह कर के वॉर्डरोब में लगाएं। उसके बाद कपड़े वॉर्डरोब में इस तरह रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के लिए निकालना आसान रहेगा। **उनकी काम में मदद करें** --यदि आपको लगे कि बच्चा अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहा है तो बीच-बीच में उसकी मदद करें तथा काम को सही ढंग से करने का तरीका बताएं। उसे बचाएं कि शर्ट कैसे तह की जाती, मोजों को हमेशा जोड़ा बनाकर रखते हैं ताकि वे खोएं नहीं। यहीं नहीं कपड़े शैल्फ में कैसे रखे जाते हैं यह भी उन्हें करके बताएं। यदि आप उन्हें बुक शैल्फ अरेंज करने का काम दे रही है तो उन्हें बताएं कि बुक शैल्फ में सबसे पहले बड़ी किताबें सैट की जाती हैं, फिर उससे छोटी और सबसे आगे छोटे आकार की किताबें रखी जाती हैं। **म्यूजिक लगाएं**--बच्चा काम को एन्जॉय करते हुए सीख पाए, इसलिए उसकी पसंद का म्यूजिक लगा दें। बीच-बीच में छोटा-सा ब्रेक लेकर उसके साथ डांस करें। म्यूजिक के साथ काम करने में उसे मजा भी आएगा और आसानी से काम भी सीख जाएगा।

खेल और ईनाम

नया काम सीखते समय बच्चा बोर न हो, इसलिए उसे खेल-खेल में काम सिखाने की कोशिश करें। आप पांच मिनट का अलार्म लगा दें और कहें कि यदि वह पांच मिनट में पांच जोड़े जूते अल्मारी में रख देगा तो उसे चॉकलेट मिलेगी। यदि बच्चा समय पर अपना टास्क पूरा कर ले तो उसके प्रयास की तारीफ करें और अपना प्रॉमिस भी निभाएं। सबके सामने तारीफ करें--जब बच्चा अपना काम पूरा कर ले तो उसकी मनपसंद चीज उसे ईनाम में दें या उसकी पसंदीदा डिश बना कर उसे खिलाएं। यही नहीं परिवार के अन्य सदस्यों के सामने भी उसकी तारीफ करें। इससे उसे न केवल अपना टास्क पूरा करने की खुशी मिलेगी, बल्कि आपका प्यार और आपका साथ उसमें नई ऊर्जा का संचार करेगा।

इंटरनेट गेम्स के नशे से बच्चों को बचायें

आजकल हाई टेक जमाने में बच्चे भी मोबाइल और कम्प्यूटर का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे कई प्रकार की बीमारियों का खतरा रहता है। इंटरनेट पर मिलने वाले रोमांचक ऑनलाइन गेम्स अब बच्चों के दिलों-दिमाग पर हावी हो रहे हैं। हर सेंकड बदलती दुनिया...और पल पल बढ़ता रोमांच.... रंग-बिरंगे थीम के साथ म्यूजिक का कॉम्बिनेशन... कंप्यूटर या फिर मोबाइल की एक छोटी सी स्क्रीन पर एक ऐसा वर्चुअल वर्ल्ड होता है, जो बड़े-बड़ों को लुभाता है. फिर छोटे बच्चों का इनकी तरफ आकर्षित होना लाजिमी है।

दरअसल ऑनलाइन गेमिंग के दौरान स्क्रीन हर सेंकड नए अवतार में नजर आती है। रोमांच ज्यादा होता है। कई ऑनलाइन गेम्स मल्टीप्लेयर होते हैं, जिसमें अनजान बच्चे भी ग्रुप बनाकर एकसाथ गेम खेलते हैं। कई बार बच्चा इनमें खतरनाक गेमों में भी फंस जाता है।

एक-दूसरे को हराने और जीतने की होड़ में बच्चे लगातार कई राउंड खेलते रहते हैं। 10 मिनट का गेम कब घंटे-दो घंटो में बदल जाता है बच्चों को पता ही नहीं चलता और यही से शुरू होता है गेमिंग की लत। जो कि बढ़ते बच्चों के विकास के लिए बहुत बड़ा खतरा है.

इंटरनेट गेमिंग है खतरनाक

ज्यादा वक्त इंटरनेट गेम्स खेलने वाले बच्चों की फोकस करने की क्षमता कम हो जाती है। ऐसे बच्चों का झुकाव ज्यादातर नेगेटिव मॉडल्स पर होता है। बच्चों में धैर्य कम होने लगता है। बच्चे पावर में रहना चाहते हैं।सेल्फ कंट्रोल खत्म हो जाता है। कई बार बच्चे हिंसक हो जाते हैं। बच्चे सामाजिक जीवन से दूर होकर अकेले रहना पसंद करने लगते हैं।बच्चे के व्यवहार और विचार दोनों पर इंटरनेट गेमिंग का असर देखा गया है। बच्चे मोटापे और डाइबिटीज का शिकार हो जाते हैं।साइकोलॉजिस्ट के मुताबिक अगर एक बार बच्चे को इंटरनेट गेमिंग की लत लग जाती है तो फिर बिना इंटरनेट के रहना बच्चे के लिए मुश्किल हो जाता है। बच्चे इंटरनेट की जिद करते ही हैं। माता-पिता के मना करने पर कई बार बच्चे आक्रामक हो जाते हैं।

अध्ययन में पाया गया है कि डिवाइस और गैजेट्स की वजह से बच्चों में मोटापा तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक बच्चे डाइबिटीज का भी शिकार हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि ऑनलाइन गेम्स खेलने वाला हर बच्चा गेमिंग लत का शिकार है लेकिन एक्सपर्ट के मुताबिक गेम खेलने का शौक कब आदत में बदल जाए, इसके लिए माता-पिता को बच्चे की गतिविधियों पर नजर बनाए रखना होगा।

इस प्रकार बचायें बच्चों को माता पिता ये तय करें कि बच्चे को किस उम्र में कौन सा गैजेट/गेम या डिवाइस देना है।

नन्हे-मुन्नों को मोबाइल पर गाने ना दिखाएं। बच्चों को इंटरनेट का इस्तेमाल पढाई सम्बन्धी जरुरी काम के लिए ही करने दें।

अगर बच्चा इंटरनेट पर गेम खेलता है तो गेम्स खेलने का समय तय करें। आधे घंटे से ज्यादा इंटरनेट गेम्स न खेलने दें।

आउटडोर गेम्स को बढ़ावा दें। अगर बच्चा इंटरनेट गेम्स को ज्यादा वक्त देने लगा है तो उसे रोकें। बच्चे इंटरनेट पर क्या करता है कौन सा गेम खेलता है उस पर नजर रखें।

तो बच्चे पर रखें नजर-अगर बच्चा रोजाना इंटरनेट पर ज्यादा वक्त बिता रहा है तो सतर्क हो जाइए। बच्चा गुमसुम रहने लगेगा और व्यवहार में बदलाव आएगा। बच्चा स्कूल और पढाई से दूर रहेगा। बच्चा सामाजिक जीवन से दूरी बनाकर अकेले रहना पसंद करेगा।

अस्मिता साइकिलिंग लीग में बेटियों का दमदार प्रदर्शन, प्रीति, छवि, अंशिका और राधा ने जीते स्वर्ण पदक

साइकिलिंग स्वस्थ जीवन और स्वच्छ पर्यावरण का मजबूत आधार : श्याम लाल बंसल

बरवाला, 7 जून (प्रवीन कुमार): विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर गांव अलीपुर औद्योगिक क्षेत्र में भारत सरकार, साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया तथा हरियाणा राज्य साइकिलिंग संघ के संयुक्त तत्वावधान में अस्मिता साइकिलिंग लीग एवं साइकिल दौड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग की बड़ी संख्या में बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।कार्यक्रम में नगर निगम महापौर श्याम लाल बंसल, हरियाणा सरकार के तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव एवं हरियाणा विकास मिशन के प्रबंध निदेशक राजेश गोयल, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष बत्तो कटारिया, शिवालिक विकास बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश देवीनगर, पूर्व मार्केट कमेटी चेयरमैन अशोक शर्मा तथा

पूर्व मंडल अध्यक्ष गौतम राणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों का आयोजकों द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर महापौर श्याम लाल बंसल ने कहा कि साइकिलिंग एक ऐसा खेल है जो व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को खेलों से जोड़ना बेहद जरूरी है, ताकि वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाते हुए समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर प्रदान करती हैं।हरियाणा विकास मिशन के प्रबंध निदेशक राजेश गोयल ने कहा कि अस्मिता साइकिलिंग लीग महिलाओं और बालिकाओं को खेलों में आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बेटियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करते हैं। इससे उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का अवसर मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।प्रतियोगिता के सफल आयोजन में हरियाणा राज्य साइकिलिंग संघ के महासचिव बृजेश कुमार, आयोजन सचिव राजबीर सिंह, सदस्य निहाल सिंह तथा अमन राणा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन को सफल बनाने में खेल प्रशिक्षकों, अधिकारियों और स्वयंसेवकों का भी सराहनीय योगदान रहा।प्रतियोगिता के अंडर-14 बालिका व्यक्तिगत समय परीक्षण वर्ग में प्रीति ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि मणि ने द्वितीय और प्रिया ने तृतीय स्थान हासिल किया। अंडर-16 बालिका वर्ग में छवि ने प्रथम, यशस्वी ने द्वितीय तथा रोशनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।अंडर-18 बालिका वर्ग में अंशिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इस वर्ग में वंशिका द्वितीय तथा हीना तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं अंडर-23 बालिका वर्ग में राधा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महक ने द्वितीय तथा यशवी ने तृतीय स्थान हासिल किया।प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं सम्मान चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने साइकिलिंग को जन-जन तक पहुंचाने तथा युवाओं को खेलों से जोड़ने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम के माध्यम से फिट इंडिया, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और स्वस्थ भारत मिशन का संदेश दिया गया। यह आयोजन खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी सफल रहा।

चुनाव अधिकारी ने दुर्ग्याना मंदिर में माथा टेका

अमृतसर 7 जून (मधु राजपूत)आज श्रीमती सीमा खन्ना, चुनाव अधिकारी भारत सरकार ने श्री दुर्गियाना मन्दिर मे माथा टेका और भगवान् श्री लक्ष्मी नारायण जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। मन्दिर में मुख्य पुजारी जी ने श्री ठाकुर जी सिरोपा व प्रसाद दिया। उसके बाद वह राम कालीन श्री बड़ा हनुमान मन्दिर तथा 800 वर्ष पुराने माता शीतला मन्दिर में नतमस्तक हुए ।इस अवसर पर श्रीमती मनी महाजन नायब तहसीलदार बाबा बकाला उनके साथ थे। कमेटी की ओर से सचिव श्री धर्म पाल चौधरी तथा सुप्रिंटेंडेंट श्री पिंक राज ने उनका स्वागत किया और मन्दिर का चित्र दे कर सम्मानित किया

सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन पर टिकी है सशक्त राष्ट्र की नींव : नवीन जिन्दल

सांसद नवीन जिन्दल ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर जनता से सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन को प्राथमिकता बनाने की अपील की

कैथल, 7 जून (सुरेंद्र कुमार): विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल ने कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के नागरिकों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की है। सांसद नवीन जिन्दल ने अपने संदेश में कहा कि स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन पर टिकी होती है। भोजन केवल भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य, कार्यक्षमता और उज्ज्वल भविष्य का आधार है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे तथा भोजन की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि आज बदलती जीवनशैली के कारण अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स, जंक फूड तथा रिफाइंड सीड ऑयल्स का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिसका प्रभाव जनस्वास्थ्य पर दिखाई दे रहा है। मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और अन्य अनेक स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए लोगों को प्राकृतिक, ताजा और संतुलित भोजन की ओर लौटना होगा।सांसद नवीन जिन्दल द्वारा भेजे गए उपरोक्त संदेश की जानकारी साझा करते हुए कैथल कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल ने खाद्य सुरक्षा और जनस्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को संसद व राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाया है। उन्होंने लोकसभा में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स तथा रिफाइंड सीड ऑयल्स के बढ़ते उपयोग से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए इस विषय पर व्यापक जनजागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया था। सांसद नवीन जिन्दल को प्रत्येक मंच और जन-संपर्क कार्यक्रमों में लोगों को पौष्टिक, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए देखा जाता है। मोबाइल मेडिकल युनिट की टीम जनता को जागरूक करने में लगी है और आने वाले समय में कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के लोगों को जागरूक करने के लिए नवीन जिन्दल फाउंडेशन के माध्यम से एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

कैथल में आज से शुरू होगी 10 दिवसीय पारम्परिक लोक गीत कार्यशाला

कैथल, 7 जून (सुरेंद्र कुमार): कला एवं सांस्कृतिक विभाग, हरियाणा (चंडीगढ़) के सौजन्य से सोमवार, 8 जून से श्री नर नारायण सेवा समिति, माधव सेवा केन्द्र, पंत नगर (कैथल) के प्रांगण में दस दिवसीय पारम्परिक लोक गीतों की कार्यशाला का आगाज़ होने जा रही है। विभाग की अधिकारी मैडम दीपिका की सोच के तहत आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य लुप्त हो रहे लोक गीतों को युवाओं के बीच पुन: जीवित करना है।कार्यशाला का भव्य शुभारंभ पूर्व इंटरनेशनल कबड्डी कोच एवं डी.एस.ओ. जसकरण सिंह और समिति के सदस्यों की उपस्थिति में होगा। इसमें प्रतिभागियों को लोक कला के गुर सिखाने के लिए पूर्व वाई.सी.ओ. सुशील कुमार को निदेशक और कन्या महाविद्यालय (फतेहपुर पुंडरी) से सेवानिवृत्त श्री कश्मीरी लाल को मुख्य प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है।

स्लम के बच्चों को शिक्षित कर रही है समिति :इस आयोजन की मेजबानी कर रही श्री नर नारायण सेवा समिति समाज सेवा में एक मिसाल है। समिति द्वारा लंबे समय से मलिन बस्तियों के वंचित बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा देकर सरकारी स्कूलों में उनका दाखिला कराया जा रहा है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि बच्चों व युवाओं को अपनी जड़ों और लोक संस्कृति से जोड़ने के लिए इस कार्यशाला में समिति अपना पूरा सहयोग दे रही है।

मधुमक्खी पालकों के लिए हरियाणा सरकार की बड़ी पहल, शहद का संरक्षित मूल्य 120 रुपये किया निर्धारित

कैथल, 7 जून (सुरेंद्र कुमार): डीसी अपराजिता ने बताया कि हरियाणा सरकार ने प्रदेश के मधुमक्खी पालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा अहम कदम उठाया है। सरकार ने भावांतर भरपाई योजना के तहत शहद का संरक्षित मूल्य 120 रुपये प्रति किलोग्राम तय कर दिया है। इस कदम से न केवल शहद उत्पादकों को उनके उत्पाद का उचित भाव मिलेगा, बल्कि उनकी आय में भी स्थिरता आएगी। डीसी अपराजिता ने कहा कि राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं हनी मिशन के माध्यम से भारत शहद निर्यात में अपनी वैश्विक पहचान बना रहा है। हरियाणा सरकार की यह योजना राज्य में शहद उत्पादन को नए आयाम देगी। योजना का लाभ लेने के लिए सभी मधुमक्खी पालकों को मधुक्रांति पोर्टल तथा भावांतर भरपाई योजना पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना अनिवार्य है। मधुमक्खी पालकों का भौतिक सत्यापन हरियाणा प्रदेश की सीमा के भीतर ही किया जाएगा। सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण करने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। प्रत्येक मधुमक्खी बक्से पर परिवार पहचान पत्र के अंतिम चार अंक और बक्सा नंबर अंकित करना आवश्यक होगा।डीसी अपराजिता ने कहा कि सरकार की इस पहल का उद्देश्य मधुमक्खी पालकों को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाना है। जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी ताकि पारदर्शिता बनी रहे। जिला बागवानी अधिकारी डॉ हीरा लाल ने बताया कि इच्छुक किसान और पालक किसी भी प्रकार की सहायता या विस्तृत जानकारी के लिए जिला बागवानी कार्यालय से संपर्क करें। इसी प्रकार टोल फ्री नंबर 1800-180-2021 पर कॉल करें। उन्होंने सभी पात्र मधुमक्खी पालकों से आह्वान किया है कि वे समय रहते अपना पंजीकरण सुनिश्चित करें ताकि योजना का लाभ सीधे उनके खातों तक पहुंच सके।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएं पात्र नागरिक : डीसी अपराजिता

कैथल, 7 जून (सुरेंद्र कुमार): डीसी अपराजिता ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है। अंत्योदय परिवार जिनकी सालाना आय 1.80 लाख से कम है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है, वे दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 50 हजार रुपये अनुदान यानि कि कुल 1.10 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं । जिन परिवारों की सालाना आय तीन लाख रुपये तक है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है वो परिवार दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 20 हजार रुपये का अनुदान यानि कि कुल 80 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद तीन किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 78 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा।उन्होंने बताया केंद्र सरकार का अनुदान सभी आय वर्गों के लोगों को दिया जाएगा। यानि केंद्र का अनुदान लेने के लिए आय से संबंधित कोई शर्त नहीं है। इस योजना का लाभ लेने से बिजली बिल जीरो हो जाएगा और जो अतिरिक्त बिजली बचेगी, उस बिजली को भी सरकार खरीदेगी, जिससे उनकी अतिरिक्त आय होगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की यह बेहतरीन योजना है जिसके द्वारा समाज की हर वर्ग की ऊर्जा संबंधित जरूरतों को पूरा किया जा सकता है।

साइकिल दौड़ाकर दिया फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मुख्यतिथि राजीव नारंग बोले : बदलती जीवनशैली के दौर में साइकिल सबसे ज्यादा लाभकारी

तरावड़ी, 7 जून (छाया शर्मा): अंतरराष्ट्रीय साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में तरावड़ी साइकिल क्लब एवं भारत विकास परिषद शाखा तरावड़ी के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य, फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना रहा। साइकिल यात्रा का शुभारंभ किले के पास स्थित राजकीय सह-शिक्षा विद्यालय के पास से हुआ। यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई अंजनथली रोड स्थित बागवानी विश्वविद्यालय तक पहुंची। इस दौरान युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, खिलाड़ियों तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।कार्यक्रम में मार्केट कमेटी तरावड़ी के वाइस चेयरमैन राजीव नारंग विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। दोनों अतिथियों ने स्वयं साइकिल चलाकर लोगों को फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। मुख्यतिथि मार्केट कमेटी तरावड़ी के वाइस चेयरमैन राजीव नारंग ने कहा कि यदि लोग अपने दैनिक जीवन में साइकिल को शामिल करें तो कई बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और बदलती जीवनशैली के दौर में साइकिल एक ऐसा साधन है जो स्वास्थ्य, पर्यावरण और आर्थिक बचत तीनों के लिए लाभकारी है। उन्होंने लोगों से सप्ताह में कम से कम एक दिन साइकिल चलाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष विजय सिंगला, सचिव मुकेश गर्ग, कोषाध्यक्ष प्रवीण गुप्ता व समाजसेवी तरुण बंसल ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों का शारीरिक गतिविधियों से जुड़ना बेहद जरूरी है। साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने युवाओं से मोबाइल और डिजिटल उपकरणों से समय निकालकर खेलकूद एवं फिटनेस गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। मोहित चौधरी ने बताया कि तरावड़ी साइकिल क्लब प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से साइकिल यात्रा आयोजित करता है। क्लब पिछले कई वर्षों से फिटनेस, नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण एवं सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विजय सिंगला, मुकेश गर्ग, प्रवीण गुप्ता, मोहित चौधरी, निखिल मिड्ढा, विशाल चौधरी, यश सलूजा, हरीश सचदेवा सहित बड़ी संख्या में साइकिल प्रेमी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षकों के लिए भौतिक विज्ञान पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

लाडवा,7 जून (रामगोपाल): सीबीएसई के तत्वावधान में संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनोरा, लाडवा-कुरुक्षेत्र में वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं के लिए भौतिक विज्ञान पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन

सीबीएसई द्वारा नियुक्त रिसोर्स पर्सन्स राजन शर्मा और मोनिका जैन ने किया और इसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों (कुरुक्षेत्र, यमुना नगर, अंबाला, करनाल, कैथल, पंचकुला) और हिमाचल प्रदेश के विभिन्न सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों के 60 भौतिक विज्ञान शिक्षकों ने भाग लिया। सीबीपी का औपचारिक उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। रिसोर्स पर्सन्स एवं शिक्षकों का स्वागत करते हुए प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने कहा, सीबीएसई की विषय-विशिष्ट सीबीपी की पहल यह सुनिश्चित करती है कि शिक्षक भौतिक विज्ञान में नवीनतम शिक्षण विधियों और मूल्यांकन पद्धतियों से अवगत रहें। दो दिनों के दौरान आयोजित प्रमुख सत्रों में पाठ्यक्रम अद्यतन, अधिगम परिणाम, वास्तविक जीवन के उदाहरणों सहित भौतिकी का प्रशिक्षण, ब्लूम का वर्गीकरण, पाठ योजना, अच्छे प्रश्न पत्र तैयार करने के लिए ब्लूप्रिंट का महत्व, कम लागत वाली शिक्षण सामग्री, सामान्य त्रुटियाँ और उनके निवारण, ऑनलाइन कमाई के संसाधन और व्यावहारिक कौशल शामिल थे। रोसोर्स पर्सन राजन शर्मा ने तरंग प्रकाशिकी, ईएमआई और अर्धचालक जैसी कठिन अवधारणाओं को समझाने के लिए कम लागत वाले प्रयोगों और सिमुलेशन का प्रदर्शन किया। रोसोर्स पर्सन मोनिका जैन ने शिक्षकों को सीबीएसई दिशानिर्देशों के अनुसार योग्यता-आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न, केस स्टडी प्रश्न और अभिकथन-कारण प्रश्न तैयार करने का प्रशिक्षण दिया। सत्र समूह गतिविधियों, पाठ योजना कार्यों और सहपाठियों की प्रस्तुतियों के साथ अंत:क्रियात्मक थे। शिक्षकों ने किरण प्रकाशिकी और विद्युतस्थैतिकी पर नमूना पाठ योजनाएँ तैयार कीं और रिसोर्स पर्सन्स से प्रतिक्रिया प्राप्त की। प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की और उनसे भौतिकी कक्षाओं को अधिक अनुप्रयोग-उन्मुख बनाने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा, जब छात्र दैनिक जीवन में भौतिक विज्ञान को देखते हैं, तो वे इस विषय से डरना बंद कर देते हैं। प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने रिसोर्स पर्सन्स को स्मृति चिन्ह के रूप में तुलसी के पौधे भेंट करके सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

अनाजमंडी के सामने ठंडेमीठे जल की छबील लगाकर लोगों को दी गर्मी से राहत

बाबैन, 7 जून (राजेश कुमार): भीषण गर्मी के बीच समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए बाबैन अनाजमंडी गेट के सामने रविदास सेवा समिति द्वारा ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई गई। इस दौरान राहगीरों,

वाहन चालकों व बाजार में आने-जाने वाले लोगों को ठंडा मीठा जल पिलाकर गर्मी से राहत प्रदान की गई। तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच बड़ी संख्या में लोगों ने छबील पर पहुंचकर मीठा जल ग्रहण किया तथा समिति के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। रविदास सेवा समिति के सदस्यों ने पूरे उत्साह और सेवा भावना के साथ लोगों को ठंडा जल वितरित किया। समिति के आयोजक बरखा राम, सतीश कुमार, जय जय सिंह, रविन्द्र रंगा, संजय नागल, सुखवंत सिंह, अमर सिंह, गुरदेव सिंह, प्रदीप कुमार, सुमित बांगड़, अरुण कुमार, ओमप्रकाश सहित रविदासिया समाज के अनेक लोगों ने इस सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग किया। इस अवसर पर समाजसेवी रविन्द्र रंगा ने कहा कि गर्मी के मौसम में प्यासे लोगों को मीठा पानी पिलाना बहुत बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा और परोपकार की भावना को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। हमारे धार्मिक ग्रंथों में भी प्यासे को जल पिलाने को महान सेवा बताया गया है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को ऐसे सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए ताकि जरूरतमंद लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि आज के समय में जहां भीषण गर्मी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है, वहीं इस प्रकार की छबीलें लोगों को राहत पहुंचाने के साथ-साथ समाज में भाईचारे और मानवता का संदेश भी देती हैं। समिति के सदस्यों ने कहा कि आगे भी इसी प्रकार सामाजिक और जनहित के कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे।छबील के दौरान लोगों ने समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं और इससे आपसी प्रेम, भाईचारा तथा सहयोग की भावना मजबूत होती है।

दिल्ली- एनसीआर में वियतनामी ईवी कैब की एंट्री 1,000 इलेक्ट्रिक गाड़ियों को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली 7 जून (संजय बंसल) दिल्ली एनसीआर के लोगों लिए अब कैब सर्विस का एक और विकल्प आ गया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने वियतनाम की मोबिलिटी कंपनी ग्रीन एसएम ऐप आधारित एक हजार इलेक्ट्रिक टैक्सी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। लाओस, इंडोनेशिया और फिलीपींस के बाद अब भारत की सड़कों पर भी इस कंपनी की कैब दौड़ती नजर आएंगी। शुरुआती चरण में दिल्ली एनसीआर के प्रमुख इलाकों में ही इसकी सुविधा दी जाएगी। बाद में मांग को देखते हुए इसे विस्तार करने की योजना है। कंपनी भारत में 10 हजार ईवी कैब उतारना चाहती है। इसका मकसद पिछले साल ब्लूस्मार्ट के बंद होने के बाद प्रीमियम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की जो जगह खाली हुई है, ग्रीन एसएम कंपनी, अब उसी जगह को भरना चाहती है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार ऐसी इको फ्रेंडली पहलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो प्रदूषण कम करने के साथ लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाएं। पौधे लगाना, स्वच्छ तकनीक और ग्रीन मोबिलिटी जैसी कोशिश स्वस्थ और बेहतर दिल्ली के निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं और इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवा का शुभारंभ इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ग्रीन एसएम पर चलने वाली गाड़ियां कंपनी की खुद की हैं। ये 7 सीटर गाड़ियां है जो सबसे पहले प्रीमियम ग्राहकों को टारगेट करने के लिए ही उतारी गई हैं।

33 साल बाद पूर्व सेना जवान गिरफ्तार

नई दिल्ली 7 जून (निस) दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 33 साल पुराने हत्या और लूट के मामले में एक पूर्व फौजी राजेंद्र डागर को हरियाणा से गिरफ्तार किया है। 1993 में उसने एक ट्रक चालक की हत्या कर तांबे से भरा ट्रक लूट लिया था। कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था और वह लगातार पहचान बदलकर पुलिस से बच रहा था। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 33 साल पुराने हत्या और लूटकांड के मामले में सेना के पूर्व जवान को गिरफ्तार किया है। आरोपी ट्रक चालक की हत्या कर तांबे से लदा ट्रक लूटने के मामले में साल 1993 से फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को हरियाणा के नारनौल जिले से गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 59 वर्षीय राजेंद्र डागर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार राजेंद्र साल 1984 में सेना में भर्ती हुआ था, लेकिन बाद में कोर्ट मार्शल के बाद उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। वारदात के बाद वह लगातार अपनी पहचान, हुलिया और ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता रहा। साल 1994 में अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। पुलिस के मुताबिक यह मामला 15 जून 1993 का है। राजस्थान के झुंझुनू निवासी ट्रक चालक राम सिंह पुरानी दिल्ली क्षेत्र में तांबे की खेप लेकर जा रहे थे। आरोप है कि राजेंद्र डागर और उसके साथियों ने उन्हें जहर देकर मार डाला और तांबे से भरा ट्रक लूटकर फरार हो गए. इस संबंध में 17 जून 1993 को लाहौरी गेट थाने में हत्या और लूट का मामला दर्ज किया गया था.

गडकरी के हाथों होगा एशिया की सबसे लंबी जोजिला सुरंग का शिलान्यास

नई दिल्ली 7 जून (संजय बंसल) केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 9 जून को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की सीमा पर स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जोजिला सुरंग के शिलान्यास समारोह में शामिल हो रहे है। राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोजिला दर्रे को काटकर बनाई जाने वाली यह सुरंग कश्मीर के गांदरबल जिले के बाल्टल को लद्दाख के कारगिल जिले के मीनामर्ग से जोड़ेगी। यह 13.15 किलोमीटर लंबी सुरंग तीन घंटे से अधिक के सफर को घटाकर मात्र 15 मिनट का करेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 6,808.69 करोड़ है। पूरा होने पर, यह भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग होने के साथ-साथ 11,578 फीट की ऊंचाई पर स्थित एशिया की सबसे लंबी द्विदिशात्मक सुरंग भी बनेगी। यह परियोजना श्रीनगर और लेह के बीच सर्व-मौसम संपर्क स्थापित करने की भारत की योजना के लिए केंद्रीय महत्व रखती है। इस सुरंग से लद्दाख क्षेत्र में तैनात बलों के लिए सैन्य गतिशीलता और रसद सहायता में उल्लेखनीय सुधार होगा, साथ ही यह क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। रणनीतिक दृष्टि से, यह नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा के निकट स्थित सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों और आपूर्ति की आवाजाही को भी तेज करेगी। हालांकि, परियोजना ने अतीत में कई बाधाओं का सामना किया है। मई 2018 में प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी आधारशिला रखी थी, लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएल एंड एफएस) को मिला ठेका जनवरी 2019 में कंपनी के वित्तीय संकट के कारण रद्द हुआ था। इसके बाद, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने परियोजना को विशेषज्ञ समूह द्वारा समीक्षा के लिए भेजा, और रिपोर्ट को मंजूरी मिलने के बाद, जून 2020 में नए सिरे से बोलियां आमंत्रित की गईं। महामारी, पास के सोनमर्ग सुरंग परियोजना पर हुए आतंकवादी हमले और खराब मौसम जैसी चुनौतियों के कारण भी परियोजना की प्रगति प्रभावित हुई है। हालांकि, अधिकारी ने फरवरी 2028 की समय सीमा से पहले पहुंच मार्ग और वेंटिलेशन सिस्टम सहित पूरी सड़क परियोजना के चालू होने पर कोई अतिरिक्त जानकारी देने से इंकार किया।

8वें वेतन आयोग से पहले सक्रिय हुई आईएएस लॉबी, पेंशन नियमों में बदलाव की मांग

नई दिल्ली 7 जून (निस) आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों को अंतिम रूप देने से पहले भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों का संगठन अपनी मांगों को लेकर सक्रिय हुआ है। आयोग को 15 जून तक विभिन्न पक्षों से सुझाव प्राप्त होने हैं और इसी क्रम में आईएएस एसोसिएशन ने वेतन संरचना, कठिन क्षेत्रों में तैनाती से जुड़े भत्तों तथा नई पेंशन व्यवस्था की समीक्षा की मांग उठा दी है। रिपोर्टों के अनुसार, आईएएस एसोसिएशन ने आयोग को सौंपे गए ज्ञापन में कहा है कि केंद्र सरकार की नई एकीकृत पेंशन योजना को कर्मचारियों के बीच अपेक्षित समर्थन नहीं मिला है। आईएएस संगठन का मानना है कि योजना में कुछ संशोधन होने के बावजूद इसके कई प्रावधान अब भी कर्मचारियों की चिंताओं का कारण बने हुए हैं। इसलिए पेंशन व्यवस्था की दुबारा समीक्षा की जाए। आईएएस एसोसिएशन ने विशेष रूप से उन अधिकारियों की स्थिति पर ध्यान आकर्षित किया है, जो लद्दाख, पूर्वोत्तर राज्यों, सीमावर्ती क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों जैसे कठिन और चुनौतीपूर्ण स्थानों पर तैनात रहते हैं। उनका कहना है कि वर्तमान भत्ता प्रणाली इन क्षेत्रों में काम करने वाले अधिकारियों को पर्याप्त प्रोत्साहन नहीं देती। संगठन का तर्क है कि सातवें वेतन आयोग के दौरान कई अलग-अलग भत्तों को समाप्त कर एकीकृत कठिन स्थान भत्ता (टीएलए) लागू किया था। इससे पहले अधिकारियों को क्षेत्र की भौगोलिक, सुरक्षा और सामाजिक परिस्थितियों के आधार पर विभिन्न प्रकार के भत्ते मिलते थे। नई व्यवस्था में केवल एक निश्चित दर का भत्ता मिलने से वास्तविक चुनौतियों का समुचित मूल्यांकन नहीं हो पाता। आईएएस एसोसिएशन ने कहा है कि कई राज्यों में जिलों का बार-बार पुनर्वर्गीकरण किया जाता है, जिससे कठिन क्षेत्रों में तैनात कर्मचारियों के हित प्रभावित होते हैं। उनका मानना है कि सुरक्षा स्थिति में सुधार के बावजूद कई इलाकों में स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी अब भी बनी हुई है। इसके बाद आठवें वेतन आयोग से उम्मीद की जा रही है कि वह इन मुद्दों पर व्यापक विचार कर कर्मचारियों के हित में संतुलित सिफारिशें देगा।

दिल्ली एमसीडी की खूब हो रही किरकरी मृत और सस्पेंड इंजीनियरों के भी कर दिए तबादले

नई दिल्ली 7 जून (निस) दिल्ली में सैदुलाजाब से लेकर हौजरानी में एमसीडी की खूब किरकरी हो रही है। इसमें सवाल एमसीडी की निगरानी व्यवस्था पर उठ रहे हैं, लेकिन एमसीडी के इंजीनियरों के तबादले से इनकी खूब खिल्ली उड़ रही है, क्योंकि जिन दो इंजीनियरों का तबादला किया गया उनकी मृत्यु हो चुकी है। वहीं, एक इंजीनियर करीब एक वर्ष से निलंबित चल रहा है। अभी यह बात सिर्फ तीन इंजीनियरों के मामले में पुष्ट हुई है। मामला सामने आने के बाद संबंधित जोन में अधिकारी बात करने से बच रहे हैं। एमसीडी के आदेश के अनुसार, अपूर्व भटनागर जो शाहदरा नार्थ जोन में तैनात थे, उनकी मृत्यु करीब एक वर्ष पहले हो चुकी है। इसी प्रकार प्रतीक भी बतौर कनिष्ठ अभियंता (सिविल) इसी जोन में तैनात थे। दोनों की मृत्यु हो चुकी है। इसके बावजूद एमसीडी ने अपूर्व भटनागर की तैनाती मुख्यालय में सफाई विभाग में करने के आदेश जारी कर दिए, जबकि प्रतीक की तैनाती रोहिणी जोन के भवन विभाग में कर दी। वहीं, गौरव गर्ग जो शाहदरा नार्थ जोन के भवन विभाग में तैनात थे, लेकिन एक मामले में निलंबित चल रहे थे उनका भी तबादला सिटी एसपी जोन के ईएमएस विभाग में कर दिया गया।

बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना में बड़े बदलाव करेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली 7 जून (संजय बंसल) दिल्ली सरकार प्रस्तावित बेड एंड ब्रेकफास्ट स्कीम में बदलाव करेगी। स्कीम में आग से बचाव के उपाय और निगरानी तंत्र पर अधिक जोर दिया जाएगा, जिसके तहत जितने कमरों का लाइसेंस मिला होगा, उतने कमरों में ही होम स्टे योजना को लाइसेंसधारक लागू कर सकेंगे। दिल्ली में जिस तरह से आग की घटनाएं बढ़ रही हैं और बेड एंड ब्रेकफास्ट की पुरानी नीति के तहत दिए गए लाइसेंस का दुरुपयोग करने का मालवीय नगर में जो मामला सामने आया है, उसमें 21 लोगों की मौत हो गई। सामने आया कि छह कमरों का लाइसेंस लेकर उसके मालिक ने एक बड़ा होटल खड़ा कर रखा था। बेड एवं ब्रेकफास्ट के नाम स्कीम पर लाइसेंस चला रहा था। ऐसे में सरकार ने पूर्व में बेड एंड ब्रेकफास्ट स्कीम के जारी किए गए मसौदे में नियमों में और सख्ती करने का फैसला लिया है सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि लोगों के सुझाव आने के बाद सरकार अंतिम मसौदे को फाइनल करते हुए आग से सुरक्षा को लेकर नियमों को ठीक तरीके से पालन होने को लेकर फैसला लेगी। इसके तहत निगरानी को और मजबूत किया जाएगा और नियमों को उल्लंघन करने वालों पर सख्ती बढ़ाई जाएगी।

भाजपा विकास करेगी...सैनी

पृष्ठ तीन का शेष ... है जिसका जवाब किसान भाई आने वाले चुनाव में आम आदमी पार्टी को देंगे। इसके विपरीत हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां सरकार अपने किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदती है। इसी प्रकार प्राकृतिक आपदा में किसान के नुकसान की भरपाई में भी हरियाणा सरकार काफी आगे है। पिछले साल हुई बरसात व बाढ़ से फसल खराब होने पर हरियाणा में किसानों को 16500 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद की गई है। फसल बेचने मंडी में आने वाले किसानों को जे-फार्म तुरंत ऑनलाइन मिलता है और 72 घंटे के भीतर फसल का पैसा किसान के खाते में भिजवा दिया जाता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने मुश्किल से कांग्रेस से पीछा छुड़वाया था, क्योंकि आम आदमी पार्टी ने यहां के लोगों से बड़े-बड़े वादे किए और उन्हें सब्जबाग दिखाए। पंजाब केभोले लोग इनकी बातों में आ गए जिसका नुकसान पंजाब आज तक उठा रहा है। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी केवल वादे करने में नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारने में विश्वास रखती है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की हैं, जिनका लाभ करोड़ों लोगों तक पहुंचा है। मोदी जी चाहते हैं कि भारत विकसित बने। यदि पंजाब की जनता ठान ले और भाजपा का साथ दे तो पंजाब भी विकसित राज्य बन सकता है।सैनी ने कहा कि हरियाणा में पारदर्शी शासन और मेरिट आधारित व्यवस्था के माध्यम से युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं तथा गरीब परिवारों को राहत पहुंचाने वाली कल्याणकारी पहलों का भी उल्लेख किया। पंजाब को ऐसी सरकार की आवश्यकता है जो केवल घोषणाएं न करे, बल्कि उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने की क्षमता भी रखती हो।
प्रदेश के किसानों, युवाओं, व्यापारियों और आम नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मजबूत नेतृत्व और जवाबदेह शासन की जरूरत है। पंजाब में केवल भाजपा ही सुशासन ला सकती है।

इंडिया गठबंधन ...

पृष्ठ तीन का शेष ..
दलों पर ही संदेह जताना गठबंधन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन आरोपों पर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो 8 जून यानी सोमवार की गठबंधन बैठक से पहले ही एकता पर सवाल खड़े हो जाएंगे।
रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस के रवैये पर कड़े सवाल उठाने के बावजूद सीपीआई-एम ने विपक्षी एकजुटता और समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। बेबी ने साफ किया कि उनकी पार्टी संसद के अंदर मोदी सरकार की तानाशाही, सांप्रदायिक और जनविरोधी नीतियों का मजबूती से विरोध करने के लिए अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर काम करती रहेगी। वहीं, दिल्ली में होने वाली इस रणनीतिक बैठक में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और राहुल गांधी जैसे शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

भारत-इंडोनेशिया..

याद दिलाया कि वर्ष 2025 में भारत और इंडोनेशिया ने अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाई थी। साथ ही उन्होंने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की भारत यात्रा और 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में उनकी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊर्जा मिली है।उन्होंने रक्षा एवं सुरक्षा, समुद्री सहयोग, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, फार्मास्यूटिकल्स, पर्यटन, शिक्षा तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।इंडोनेशियाई विदेश मंत्री सुगियोनो ने बैठक को सार्थक बताया।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर अगस्त तक तैयार होगा सर्विस रोड

नई दिल्ली 7 जून (निस) गुरुग्राम के लोग जल्द ही द्वारका एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर सफर का आनंद ले सकेंगे। इसका काम तेजी से चल रहा है। जीएमडीए के मुताबिक अब तक 70 फीसदी से ज्यादा हो चुका है और बाकी बचा हुआ काम अगस्त गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ बन रहा सर्विस रोड अगस्त माह तक बनकर तैयार हो जाएगा। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर अभिनव वर्मा ने यह दावा किया। उनके मुताबिक करीब 70 प्रतिशत निर्माण पूरा हो चुका है। जीएमडीए ने 15 मार्च, 2024 को एक कंपनी को द्वारका एक्सप्रेसवे पर गुरुग्राम-दिल्ली बॉर्डर से लेकर सेक्टर-84 स्थित ऐलान मॉल तक सर्विस रोड के निर्माण का टेंडर जारी किया था। दोनों तरफ साढ़े सात मीटर चौड़ी सर्विस रोड बननी है, जिसकी लंबाई करीब 27 किमी है। इसके निर्माण में करीब 100 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ सर्विस रोड के साथ सवा मीटर गहरा और एक मीटर चौड़ा बरसाती नाला भी तैयार किया जा रहा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने द्वारका एक्सप्रेसवे की मुख्य सड़क और निर्माणाधीन सर्विस रोड के बीच में करीब छह फीट ऊंचे लोहे के ग्रिल खड़े कर दिए हैं। मौजूदा समय में इस एक्सप्रेसवे पर निर्मित रिहायशी सोसाइटियां और कॉलोनियां मुख्य सड़क पर जा रही है, लेकिन सर्विस रोड के बनने के बाद इनके सीधे प्रवेश को बंद कर दिया जाएगा। इसकी वजह से हादसा होने की संभावनाएं अधिक रहती हैं। द्वारका एक्सप्रेसवे के आसपास विकसित सेक्टर-81 से लेकर सेक्टर-115 तक विकसित मुख्य सड़कों के दोनों तरफ सर्विस रोड का निर्माण किया जाएगा। सेक्टर-81 से लेकर सेक्टर-98 तक की मुख्य सड़कों के साथ सर्विस रोड निर्माण के लिए डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी एक कंपनी को सौंपी जा चुकी है। सेक्टर-99 से लेकर सेक्टर-115 तक विकसित मुख्य सड़कों के साथ सर्विस रोड के निर्माण के लिए कुछ की डीपीआर बन चुकी है। उच्चाधिकारियों से मंजूरी लेने के बाद टेंडर प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के पुष्प विहार में एनकाउंटर पुलिस ने पकड़े तीन बदमाश

नई दिल्ली 7 जून (निस) साउथ दिल्ली के पुष्प विहार इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। साउथ दिल्ली के स्पेशल स्टाफ और एएटीएस की पुलिस टीम ने मुठभेड़ में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों के पास से एक बाइक और अन्य सामान बरामद किया है। वहीं, पुलिस पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ कर रही है। इन बदमाशों को किस मामले में गिरफ्तार किया गया है। इसकी जांच चल रही है।

हौजरानी अग्निकांड में गिरफ्तार शेफ ने पूछताछ में कहा- आग लगते ही बेसमेंट का शटर गिराकर भाग गया था

नई दिल्ली 7 जून (निस) हौजरानी अग्निकांड में अवैध होटल में बने रेस्त्रां के दिलशाद गार्डन निवासी शेफ केशव नेगी की भूमिका भी संदिग्ध है। घटना के समय वह रेस्त्रां में ही था। जब किचन तक आग पहुंची तो वह भाग निकाला। किसी को बचाने या किसी प्रकार की चेतावनी स्टाफ या वहां ठहरे मेहमानों को नहीं दी। वहीं, बेसमेंट का जालीदार शटर भी उसने गिरा दिया, ताकि आग ऊपर न आने पाए। इसके चलते बेसमेंट के लोग अंदर ही रह गए। घटना के बाद वह मौके पर ही था। बाद में भाग निकला था। मालवीय नगर थाने की पुलिस ने शनिवार सुबह उसे भी गिरफ्तार कर लिया। उससे आगे की पूछताछ की जा रही है। वहीं, मामले में फरार चल रहे होटल मैनेजर व चार्टर्ड अकाउंटेंट जय मिश्रा की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है।

दिल्ली में पिता फंदे से लटका मिला, 13 वर्षीय पुत्र का शव था बिस्तर पर

नई दिल्ली 7 जून (निस) शाहदरा जिले के उत्तरी छज्जूपुर इलाके में शनिवार सुबह पिता-पुत्र के शव मिलने से सनसनी फैल गई। 54 वर्षीय प्रवीन सिंह का शव कमरे में फंदे से लटका मिला, जबकि उनके 13 वर्षीय बेटे नैतिक का शव बिस्तर पर पड़ा था। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि प्रवीन ने पहले बेटे को कोई जहरीला पदार्थ दिया और उसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस के अनुसार, प्रवीन सिंह अपने पिता तेजवीर सिंह, मां और बेटे नैतिक के साथ उत्तरी छज्जूपुर में रहते थे। तेजवीर सिंह राम मनोहर लोहिया अस्पताल से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। प्रवीन की पत्नी करीब छह वर्ष पहले अपने मायके गाजियाबाद चली गई थी। इसके बाद से दोनों अलग रह रहे थे। स्वजनों ने बताया कि करीब 25 वर्ष पहले प्रवीन का एक गंभीर सड़क हादसा हुआ था। हादसे से पहले वह कंप्यूटर हार्डवेयर का काम करते थे और एक निजी कंपनी में नौकरी भी कर चुके थे। दुर्घटना के बाद उन्हें लगातार सिर और शरीर में दर्द की शिकायत रहती थी। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते वह नियमित रूप से काम नहीं कर पा रहे थे और लंबे समय से बेरोजगार थे।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

पत्नी से बात न करना मानसिक क्रूरता नहीं, शादीशुदा जिंदगी में मतभेद होना आम बात

नई दिल्ली, 7 जून (निस) पति-पत्नी के बीच मनमुटाव के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ किया कि पत्नी से 13 दिन तक बात न करना मानसिक क्रूरता की श्रेणी में नहीं आता। कोर्ट ने कहा कि शादीशुदा जिंदगी में मतभेद होना और कुछ दिनों तक एक-दूसरे से न बोलना एक सामान्य बात है। अक्सर लड़ाई-झगड़े के बाद पतियों के मुंह फुलाकर बैठने के मामले आम हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इसे कानूनी तौर पर अपराध नहीं माना जा सकता और इसे अकेले में मानसिक क्रूरता नहीं कहा जा सकता। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंद की बेंच ने एक व्यक्ति को बरी करते हुए कहा कि पति को सिर्फ इसलिए क्रूरता का दोषी नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि कि उसने अपनी पत्नी से कुछ दिनों तक बात नहीं की थी। जानकारी के मुताबिक इस व्यक्ति को ट्रायल कोर्ट और मद्रास हाईकोर्ट ने तीन साल कैद की सजा सुनाई थी। उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली थी और पति पर लगे आरोपों में एक आरोप यह भी था कि पत्नी की मौत से पहले पति ने उससे 13 दिनों तक बात नहीं की थी। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट और मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए व्यक्ति की सजा रद्द कर दी और कहा कि पति के व्यवहार को क्रूरता साबित करने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। कोर्ट ने यह भी कहा कि पति-पत्नी के बीच कोई बड़ी लड़ाई या विवाद भी नहीं हुआ था, जो प्रताड़ना या उकसावे की श्रेणी में आए और जिसकी वजह से पति को सजा दी जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में नसीहत भी दी कि अदालतों को यह देखना चाहिए कि पति का व्यवहार इतना गंभीर था या नहीं कि जिसकी वजह से महिला आत्महत्या करने को मजबूर हो जाए, उसे चोट पहुंचे या उसका मानसिक स्वास्थ्य खराब हो।

हौजरानी अग्निकांड के बाद एक्शन में सीएम रेखा अब लापरवाह अफसरों की खैर नहीं

नई दिल्ली 7 जून (निस) दिल्ली में हौजरानी अग्निकांड के बाद अवैध निर्माण पर रोक लगाने और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में अग्निसुरक्षा से संबंधित मानकों का पालन कराने के लिए कार्रवाई शुरू की है। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में अग्निसुरक्षा को लेकर जांच की जा रही है। वहीं, शुक्रवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को अवैध निर्माण रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। इसे लेकर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। अवैध निर्माण रोकने में विफल रहने वाले अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई होगी। आवश्यकतानुसार वसूली भी की जाएगी। मुख्यमंत्री का कहना है कि राजधानी में जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा मानकों के अनुपालन, प्रभावी निगरानी व्यवस्था और जवाबदेह तंत्र सहित सभी पहलुओं पर समग्र रूप से काम करना आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके और दिल्ली को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके।